E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 118 | प्रयागराज, गुरूवार 23 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका ने ईरान के 5 शहरों पर दागे बम, लगातार 11वे रात हमला, जंग में यूएस रु3.6 लाख करोड़ खर्च कर चुका

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने बुधवार तड़के ईरान के पांच शहरों में एक साथ एयर और मिसाइल स्ट्राइक की। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक चाबहार, कोनारक, तबरीज, बेहबहान और ओमीदियेह को निशाना बनाया गया। सीजफायर टूटने के बाद यह लगातार 11वीं रात है, जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ईरान के संदिग्ध परमाणु ठिकाने पिकएक्स माउंटेन पर 'बहुत जल्द और बहुत भारी' हमला कर सकता है। ट्रम्प की इस चेतावनी के जवाब में ईरान ने कहा कि यदि हमले जारी रहे तो वह क्षेत्र में युद्ध का दायरा और बढ़ा सकता है। इस बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया है कि अब तक इस युद्ध पर अमेरिका का खर्च 37.5 अरब डॉलर (करीब 3.6 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच गया है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सः- 1. भारत-चीन के टैंकरों ने रास्ता बदलाः सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर भारत और चीन जा रहे दो टैंकर हूती विद्रोहियों की धमकी के बाद रेड सी में यू-टर्न लेकर स्वेज नहर की ओर लौट गए। 2. अमेरिका ने माना- ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायलः पेंटागन ने स्वीकार किया कि 7 जुलाई के बाद ईरानी हमलों में करीब 100 अमेरिकी सैनिक घायल हुए। इनमें से 96फीसदी सैनिक इलाज के बाद ड्यूटी पर लौट चुके हैं। 3. कतर ने ईरान से मुआवजा मांगाः कतर ने संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद को पत्र भेजकर ईरान को हालिया हमलों और उनसे हुए सभी नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराया और पूरा मुआवजा देने की मांग की। 4. ट्रम्प ने माना- जॉर्डन में एक ईरानी हमला सफल रहाः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने माना कि जॉर्डन में ईरान का एक

हमला सफल रहा। हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत भी हुई थी। 5. ईरानी गृह मंत्री पाकिस्तान पहुंचेः ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी पाकिस्तान पहुंचे और सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। बाद में उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी बातचीत की। अमेरिका-ईरान तनाव से कच्चा तेल 92 डॉलर के पार-अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी बनी हुई है। ब्रेंट क्रूड 1 डॉलर (करीब 1.1फीसदी) की बढ़त के साथ 92.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 82 सेंट (करीब 1फीसदी) चढ़कर 85.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। एक दिन पहले मंगलवार को भी दोनों बेंचमार्क करीब 5 सप्ताह के उच्च स्तर पर बंद हुए थे। ब्रेंट 91.01 डॉलर और डब्ल्यूटीआई 84.91 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। रिपोर्ट- ईरान युद्ध में मध्यस्थता के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका से 10 अरब डॉलर की मदद मांगी-ईरान युद्ध में मध्यस्थता की भूमिका निभाने के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका से 10 अरब डॉलर (करीब रु95 हजार करोड़) की एक्सचेंज स्टेबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी मांगी है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को भेजे प्रस्ताव में पांच साल तक की इस वित्तीय सुविधा का अनुरोध किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का मानना है कि ईरान युद्ध को लेकर बातचीत कराने में उसकी भूमिका से अमेरिका के साथ उसके संबंध मजबूत हुए हैं। इसी आधार पर इस्लामाबाद अब वॉशिंगटन से आर्थिक सहयोग बढ़ाने की उम्मीद कर रहा है। अगर अमेरिका इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है तो इससे पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलेगी, पाकिस्तानी रुपये पर दबाव कम होगा और आईएमएफ से मिलने वाली किस्तों पर उसकी निर्भरता घट सकती है। ट्रम्प ने ईरान के संदिग्ध परमाणु ठिकाने को उड़ाने की धमकी दी- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के संदिग्ध अंडरग्राउंड परमाणु ठिकाने 'पिकऐक्स माउंटेन' पर जल्द भारी हमला करने की चेतावनी दी है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सेना बहुत जल्द उस इलाके पर जोरदार हमला करेगी। क्या है पिकऐक्स माउंटेन? यह ठिकाना तेहरान से करीब 220 किमी दक्षिण और नतांज परमाणु केंद्र से 2 किमी दूर स्थित है। यह पहाड़ के भीतर करीब 100 मीटर गहराई में बनाया जा रहा भूमिगत परिसर है। इसकी शुरुआत 2020 में नतांज केंद्र में हुए विस्फोट के बाद हुई थी। ईरान ने तब पहाड़ के भीतर आधुनिक सेंट्रीफ्यूज निर्माण सुविधा बनाने का ऐलान किया था। अब तक चालू नहीं हुआ- अमेरिका स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर साइंस एंडर इंटरनेशनल सिक्योरिटी (आईएस आईएस) के मुताबिक, सैटेलाइट तस्वीरों से संकेत मिलता है कि परिसर का निर्माण अभी जारी है और यह फिलहाल पूरी तरह चालू नहीं हुआ है। हालांकि भविष्य में इसका इस्तेमाल परमाणु कार्यक्रम से जुड़े सेंट्रीफ्यूज निर्माण के लिए किया जा सकता है। हमला करना आसान नहीं-एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह ठिकाना इतनी गहराई में है कि अमेरिका के सबसे शक्तिशाली बंकर बस्टर बम भी इसे पूरी तरह नष्ट करने में सक्षम नहीं हो सकते।

भारत-यूएस ट्रेड डील पर जयशंकर-रुबियो की बातचीत, ट्रम्प की फार्मा टैरिफ धमकी के बीच अंतरिम समझौते पर जोर

नयी दिल्ली। भारत और अमेरिका ने अंतरिम ट्रेड डील को जल्द पूरा करने पर जोर दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर

और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मनीला में हुई मुलाकात के दौरान इस समझौते को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमति जताई। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत समेत दूसरे देशों से आने वाली दवाओं पर भारी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इसमें जेनेरिक दवाएं भी शामिल हैं। इससे भारत के फार्मा एक्सपोर्ट पर असर पड़ने की आशंका है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों नेताओं ने आसिआन समिट के दौरान रक्षा सहयोग पर भी चर्चा की। इसमें एंटी-टैंक मिसाइल, इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल और निगरानी विमान जैसी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर बात हुई।

सीजेपी के संसद मार्च हिंसा मामले में 10 एफ़आईआर, बंगाल से दिल्ली लाए जा रहे 2हजार CRPF जवान

दावा- वांगचुक से मिले नड्डा

नयी दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी

(सीजेपी) के प्रदर्शन का आज 33वां दिन है। जंतर-मंतर पर बुधवार सुबह से हजारों प्रदर्शनकारी जुटे हैं। इनमें 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान पुलिस की लाठियों, आंसू गैस के गोलों का शिकार हुए लोग भी शामिल थे। इधर दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा मामले में 10 एफ़आईआर दर्ज की हैं। इनमें संसद मार्ग थाने में 4, कनॉट प्लेस में 3 और मंदिर मार्ग, बाराखंभा रोड और कर्तव्य पथ थानों में एक-एक एफ़आईआर दर्ज हुई है। प्रदर्शनकारियों पर आरएएफ जवानों पर जानलेवा हमला, पथराव, तोड़फोड़ और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप हैं। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह मंगलवार देर रात गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से मिले। वांगचुक 28 जून से अनशन पर हैं और दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें मंगलवार को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता में भर्ती कराया गया है। बंगाल से दिल्ली भेजी गईं सीआरपीएफ की 20 कंपनियां, करीब 2 हजार जवान एयरलिफ्ट किए-केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल से सीआरपीएफ की 20 अतिरिक्त कंपनियों को दिल्ली में तैनात करने का आदेश दिया है। एक सीआरपीएफ कंपनी में करीब 100 जवान होते हैं। गृह मंत्रालय के निर्देश पर करीब 2000 जवानों को पश्चिम बंगाल के कोलकाता से एयरलिफ्ट कर लाया जा रहा है। इन कंपनियों को संसद का मानसून सत्र और दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात किया जाएगा। इससे पहले भी केंद्र सरकार दिल्ली पुलिस की मदद के लिए करीब 30 कंपनियां सीआरपीएफ और उसकी दंगा-रोधी इकाई आरएएफ की तैनाती कर चुकी है। ये बल 20 जुलाई से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र और सीजेपी के प्रदर्शन को देखते हुए पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था में लगे हुए हैं। उधर 21 जुलाई की दोपहर साढ़े तीन बजे। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे कुछ कांग्रेसी नेताओं के साथ पैदल ही पीएम मोदी के आवास की तरफ चल दिए। न पुलिस को खबर थी, न मीडिया को। हालांकि 3 घंटे 20 मिनट बाद ही पुलिस ने बलपूर्वक राहुल-प्रियंका को उठाकर धरना खत्म करा दिया है।

सिक्किम में टनल पर लैंडस्लाइड में अब तक 20 मजदूरों के शव मिले,5 अब भी फंसे- टनल में मीथेन गैस भरी, बचावकर्मी बेहोश हुए

गंगटोक। सिक्किम में एनएचपीसी के हाइड्रोइलेक्ट्रिक

प्रोजेक्ट की टनल में फंसे 25 में से 20 मजदूरों के शव मंगलवार देर रात बरामद कर लिए गए। रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटीं टीमें देर रात तक बाकी पांच मजदूरों तक नहीं पहुंच पाईं। ये मजदूर टनल में अलग-अलग पॉइंट पर फंसे थे। टीमें इन तक पहुंचने के लिए 24 घंटे से मशक्कत कर रही थीं, लेकिन टनल में मीथेन गैस भरी होने के चलते कई बचावकर्मी बेहोश हो गए। यह आदित-3 टनल है, जो नामची जिले के समरडुंग-झोलुंगय में बन रहे तीस्ता स्टेज-6 प्रोजेक्ट का ?हिस्सा है। इसे पटेल इंजीनियरिंग कंपनी बना रही थी। 40 मिनट ही चल पा रहा एक ऑक्सीजन सिलेंडर-पानी के तेज बहाव के लिए दो समानांतर टनल बन रही हैं। इनकी लंबाई 5-5 किलोमीटर है। हादसा फेस-4बी ?के हिस्से में हुआ। मीथेन के साथ छत से गिरा मलबा ?सिर्फ यहीं भरा हुआ है। यह गैस ऑक्सीजन खत्म कर देती है। इसमें सांस नहीं ले सकते। मजदूर टनल के एंट्री गेट से लगभग 1.5 किमी अंदर फंसे हुए हैं। बाकी हिस्सा सुरक्षित। 8-8 लोगों की टीम बारी-बारी से अंदर जा रही है। एक राहतकर्मी एक ऑक्सीजन सिलेंडर सिर्फ 40 मिनट चलता है। सिलेंडर खत्म होने से पहले उसे लौटना पड़ रहा। यही दिक्कत है। ब्लास्ट-प्रूफ ब्लोअर्स और वेंटिलेशन पाइपों से बाहर की ताजी हवा अंदर भेजी जा रही है ताकि गैस का असर कम हो सके। मलबा गिरने से रोकने के लिए शॉटक्रीट व रॉक-बोल्टिंग की जा रही है। छोटे लोडर्स/रोबोटिक ऑपरेटरों से मलबा हटा रहे हैं। सवालः मीथेन गैस से बड़ा खतरा क्या है? जवाबः मीथेन जहरीली गैस नहीं होती, लेकिन बंद सुरंग में यह ऑक्सीजन की मात्रा कम कर सकती है। ऑक्सीजन घटने पर दम घुटने और बेहोशी का खतरा बढ़ जाता है। अगर गैस चिंगारी संपर्क में आए तो आग लग सकती है या विस्फोट हो सकता है। क्यों खतरनाक है मीथेन गैस? ऑक्सीजन का स्तर तेजी से कम कर सकती है। ऑक्सीजन कम होने पर पहले चक्कर और घबराहट होती है। गंभीर कमी होने पर व्यक्ति बेहोश हो सकता है। मीथेन हवा के साथ मिलकर ज्वलनशील मिश्रण बनाती है। स्पार्क, वेल्डिंग या बिजली की चिंगारी से विस्फोट का खतरा रहता है।

चीन बोला- भारत ने हमारे 12 नाविकों को बचाया था, इसे हम कभी भूलेंगे नहीं

चीन ने पिछले साल केरल तट के पास आग लगने और विस्फोट का शिकार हुए एक मालवाहक जहाज से

विस्फोट का शिकार हुए एक मालवाहक जहाज से 12 चीनी क्रू मेंबर्स को बचाने के लिए भारतीय सेना ने 12 चीनी नाविकों को सुरक्षित बचाया था।' उन्होंने कहा, 'चीन और भारत

PTI

भारतीय सेना का धन्यवाद किया है। साथ ही दोनों देशों की सेनाओं के बीच संवाद और सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया है। भारत में चीन के रक्षा अताशे रियर एडमिरल यू जियान ने मंगलवार को चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की स्थापना की 99वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। यू जियान ने कहा, 'हम यह कभी नहीं भूलेंगे कि पिछले जून में केरल तट के पास आग लगने अहम पड़ोसी देश हैं। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच संबंध सुधर रहे हैं। हमारा हमेशा से मानना रहा है कि दोनों देशों के साझा हित, आपसी मतभेदों से कहीं ज्यादा बड़े हैं।' उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकातों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में लगातार सुधार देखने को मिला है। इसके बाद दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच भी कई बैठकें हुई हैं।

ट्रम्प ने अमेरिका में जेनेरिक दवाओं पर लगाया टैरिफ, 2 साल तक जीरो, 2028 से 100फीसदी और फिर 200फीसदी लगेगा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जेनेरिक

दवाओं के आयात पर नई टैरिफ नीति की घोषणा की है। ट्रम्प ने कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आयात होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो वर्षों तक कोई टैरिफ नहीं लगेगा। इसके बाद 2028 से एक साल के लिए 100फीसदी और फिर 200फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस नीति का मकसद दवा कंपनियों को अमेरिका में ही मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित करना है। जो कंपनियां तय समय में अमेरिका में उत्पादन शुरू नहीं करेंगी, उन्हें ऊंचे टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला अमेरिकी नागरिकों के हितों की रक्षा और देश में दवा निर्माण बढ़ाने के लिए लिया गया है। हालांकि पेटेंट, ब्रांडेड और इनोवेटिव दवाओं पर लागू मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। भारत पर क्या असर होगा? भारत दुनिया में जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है और अमेरिका उसका सबसे बड़ा बाजार है। ऐसे में दो साल की राहत के बाद 2028 से 100फीसदी और फिर 200फीसदी टैरिफ लागू होने पर भारतीय दवा कंपनियों की लागत बढ़ सकती है। इससे कंपनियों पर अमेरिका में उत्पादन इकाइयां स्थापित करने का दबाव भी बढ़ेगा और भारतीय जेनेरिक दवाओं की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रभावित हो सकती है।

जेलेंस्की ने सेना प्रमुख बदला, 6 दिन के प्रदर्शनों के बाद मिखाइलो ड्रापात्यी को बनाया गया कमांडर

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने देश के

सेना प्रमुख ओलेक्सांद्र सिरस्की को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 43 साल के लोकप्रिय और युद्ध का अनुभव रखने वाले जनरल मिखाइलो ड्रापात्यी को नया कमांडर बनाया गया है। यह फैसला पूर्व रक्षा मंत्री मायखाइलो फेडोरोव को हटाए जाने के कुछ दिन बाद आया है। फेडोरोव को हटाने के बाद यूक्रेन के कई शहरों में 6 दिन तक प्रदर्शन हुए थे। प्रदर्शनकारियों का दबाव था कि सिरस्की को भी पद से हटाया जाए।सिरस्की को हटाने की शुरुआती खबरों के मुताबिक, फेडोरोव और उनके बीच मतभेद थे। बाद में दोनों के बीच तनाव की खबरों की पुष्टि हुई। 60 साल के सिरस्की ने विदाई संदेश में अपने कार्यकाल का बचाव किया। उन्होंने टेलीग्राम पर लिखा, 'दो साल पहले मुश्किल रक्षात्मक अभियान लड़ रही सेना अब हमले की स्थिति में है।' नए सेना प्रमुख मिखाइलो ड्रापात्यी ने सिरस्की को यूक्रेनी सेना को मजबूत करने के लिए किए गए लगातार काम के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'मैं इसी सेना में बड़ा हुआ हूं।'

मिचलिन स्टार रेस्टोरेंट में मिठाई पर चींटियां भी परोसने पर मालिक को 1 साल जेल और जुर्माने की मांग

सोल। दक्षिण कोरिया में दो मिशचलिन स्टार वाले रेस्टोरेंट के मालिक के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने 1 साल जेल की सजा की मांग की है। आरोप है कि रेस्टोरेंट में मिठाई परोसते समय चींटियों को गार्निश के तौर पर इस्तेमाल किया गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, अभियोजन पक्ष ने सोमवार को रेस्टोरेंट पर 20 मिलियन कोरियन वॉन (करीब 13,510 डॉलर) जुर्माना लगाने की भी मांग की। कोर्ट इस मामले में 2 सितंबर को फैसला सुनाएगा। रेस्टोरेंट के मालिक ने चींटियां परोसने की बात स्वीकार की है। हालांकि, उनका कहना है कि 15-कोर्स के मेन्यू के एक छोटे हिस्से में ही इनका इस्तेमाल किया गया था। चींटियों को शर्बत पर टॉपिंग के तौर पर दिया जाता था। उनका दावा है कि ग्राहकों को चींटियों की जगह दूसरी टॉपिंग चुनने का विकल्प भी दिया गया था। दक्षिण कोरिया के कानून के तहत इंसानों के खाने के लिए मंजूर 10 कीट प्रजातियों में चींटियां शामिल नहीं हैं। मामला तब सामने आया, जब खाद्य एवं औषधि सुरक्षा मंत्रालय के अधिकारियों को ऑनलाइन पोस्ट किए गए ग्राहकों के रिव्यू और व्यंजनों की तस्वीरें मिलीं। इन तस्वीरों में खाने पर चींटियां छिड़की हुई दिखाई दे रही थीं। जांचकर्ताओं के अनुमान के मुताबिक, 4 साल में कई व्यंजनों में अमेरिका और थाईलैंड से आयात की गई करीब 49 हजार चींटियों का इस्तेमाल किया गया। मालिक ने अपने बचाव में कहा कि सिर्फ 60फीसदी ग्राहकों ने चींटियां खाने का विकल्प चुना था। बाकी ग्राहकों को फर्मेंटेड सिरका और खाने योग्य फूल जैसी वैकल्पिक टॉपिंग दी गई थीं। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क और यूके जैसे अन्य देशों के रेस्टोरेंट में भी चींटियों का इस्तेमाल सामग्री के तौर पर किया जाता है। कोर्ट के दस्तावेजों में रेस्टोरेंट या उसके मालिक का नाम नहीं बताया गया है। दक्षिण कोरिया में 10 रेस्टोरेंट ऐसे हैं जिन्हें दो मिचलिन स्टार मिले हैं। ये सभी राजधानी सियोल में स्थित हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की कई संस्कृतियों में चींटियां खाई जाती हैं और कुछ जगहों पर इन्हें खास व्यंजन माना जाता है।

श्रावण से पूर्व झूंसी की शिवबाग कॉलोनी में जलभराव से श्रद्धालु व स्थानीय लोग परेशान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) झूंसी/प्रयागराज। स्थानीय क्षेत्र के झूंसी के वार्ड संख्या 50 स्थित शिवबाग कॉलोनी में प्राचीन शिव मंदिर के सामने लंबे समय से जलभराव एक गंभीर समस्या बनी हुई है। सड़क पर हमेशा पानी भरा रहने के कारण मंदिर में दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ कॉलोनी के निवासियों को भी प्रतिदिन भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आपको बताते चलें कि श्रावण मास प्रारंभ होने वाला है। इस दौरान प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु प्राचीन शिव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए आते हैं। लेकिन जलभराव के कारण उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ती है। वहीं शिवबाग कॉलोनी के निवासियों का भी दैनिक आवागमन भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह मार्ग जोखिम बना हुआ है तथा दुर्घटना की आशंका भी आये दिन बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क के निर्माण हेतु टेंडर स्वीकृत हो चुका है, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया है। इस संबंध में झूंसी के वार्ड संख्या 50 की पार्षद श्रीमती बबिता यादव को भी कई बार अवगत कराया गया, किंतु अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। शिवबाग कॉलोनी निवासी आनंद पांडेय, राकेश मिश्र, विष्णु पांडेय, शिव नारायण शुक्ल, अरुण शुक्ल सहित अन्य नागरिकों ने शासन, नगर निगम एवं संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि श्रावण मास प्रारंभ होने से पहले सड़क निर्माण एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को इस समस्या से शीघ्र राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस सड़क का निर्माण कार्य ठेकेदार राम बाबू यादव को आवंटित किया गया है लेकिन टेंडर स्वीकृत होने के बावजूद अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। उनका कहना है कि कई बार निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने का अनुरोध किए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से मामले की जांच कराते हुए शीघ्र सड़क निर्माण शुरू कराने की मांग की है।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा आज दिनांक-22.07.2026 को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गयीं तथा उनके समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला अपराध निरोधक कमेटी द्वारा नवनियुक्त चौकी प्रभारी लेखपाल सिंह का भव्य अभिनंदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। नैनी (पीडीए) चौकी के नवनियुक्त प्रभारी लेखपाल सिंह जी का मंगलवार को जिला अपराध निरोधक समिति (यमुनानगर यूथ टीम) की ओर से अत्यंत गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा के नेतृत्व में पहुंचे सभी सदस्यों ने उन्हें अंगवस्त्र, भगवान श्री राधे-कृष्ण का पवित्र चित्र चिह्न और समिति की सेवा पुस्तिका भेंट कर सम्मानित किया। प्रमुख चर्चाएं एवं आगामी तैयारियांः- सावन मास की सुरक्षा व्यवस्थाः- कुछ ही दिनों में शुरू होने वाले पवित्र सावन मास के दौरान नैनी क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सेवा और स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रभारी महोदय के साथ विशेष चर्चा की गई। सख्त अपराध नियंत्रणः-समिति ने पूर्ण विश्वास जताया कि प्रभारी लेखपाल सिंह के कुशल नेतृत्व में नैनी क्षेत्र के भीतर नशामुक्ति, चोरी, छिनैती और गुंडागर्दी जैसी असामाजिक गतिविधियों पर पूरी तरह प्रभावी रोक लगेगी। प्रशासन को पूर्ण सहयोगः-यूथ टीम ने आश्वस्त किया कि जनहित और सुरक्षा के इन कार्यों में समिति का पूरा समर्पण एवं सहयोग सदैव पुलिस प्रशासन के साथ मजबूती से बना रहेगा। विशेष आभार एवं उपस्थिति- इस गरिमामयी अवसर पर काशीराम प्रभारी रामानंद विश्वकर्मा जी का भी विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख गणमान्य सदस्यः-1. रमेश लाल श्रीवास्तव, 2. संदीप चंद्र श्रीवास्तव, 3. विमल सक्सेना, 4. सक्षम शर्मा, 5. गौरव विश्वकर्मा, 6. मोहम्मद अरशद, 7. मोहम्मद इमरान, 8. कृष्ण विश्वकर्मा।

शंकर भगवान मंदिर, लालापुर, प्रयागराज में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

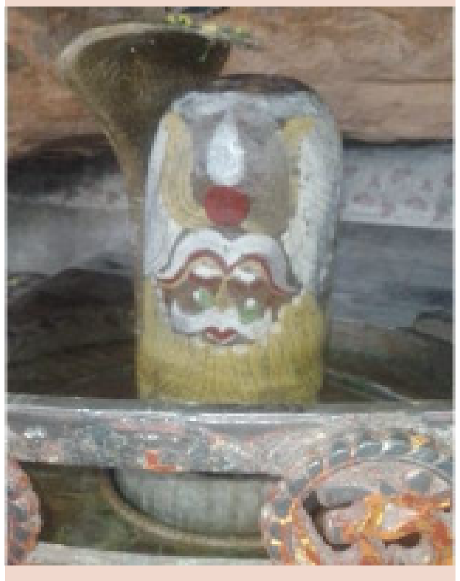

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। लालापुर, प्रयागराजः शंकर भगवान मंदिर, लालापुर में इन दिनों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव करा रहा है। मंदिर में नियमित रूप से रुद्राभिषेक, आरती, भजन-कीर्तन एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से पूजा-पाठ के दौरान स्वच्छता एवं अनुशासन बनाए रखने की अपील की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शंकर भगवान मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां आयोजित धार्मिक कार्यक्रम सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का कार्य करते हैं। शंकर भगवान मंदिर, लालापुर, प्रयागराज श्रद्धालुओं के लिए आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है।

डीएम की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण, पर्यावरण व गंगा समिति की बैठक सम्पन्न,जियो टैगिंग, संरक्षण और शत-प्रतिशत सर्वाइवल पर दिया जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वृक्षारोपण महाअभियान की प्रगति, पौधों के संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा गंगा एवं हरित विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत लगाए गए प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग समयबद्ध रूप से पूर्ण कराई जाए, ताकि पौधों की वास्तविक स्थिति एवं उनकी निगरानी प्रभावी ढंग से की जा सके। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनका संरक्षण, संवर्धन एवं दीर्घकालिक रखरखाव सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जिन स्थलों पर वृक्षारोपण किया गया है, वहां सिंचाई, सुरक्षा व्यवस्था, पौधों की देखरेख एवं साइट का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपने रोपित पौधों की समय-समय पर समीक्षा करे तथा उनकी जीवित रहने की स्थिति पर विशेष निगरानी रखे।उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के दौरान लगाए गए जिन पौधों का सर्वाइवल नहीं हो पाया है, उन्हें तत्काल प्रतिस्थापित (रिप्लेस) किया जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप हरित आवरण को बढ़ाने का उद्देश्य पूर्ण हो सके। साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक ट्री गार्ड एवं अन्य संरक्षण उपाय भी सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल स्रोतों के संरक्षण तथा जनसहभागिता के माध्यम से हरित एवं स्वच्छ वातावरण विकसित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विभिन्न विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अभियानों को जनआंदोलन का स्वरूप दें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, डीएफओ प्रखर मिश्र, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार प्रमोद सिंह, उप निदेशक कृषि हिमांशु पाण्डेय, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

Gem of आधुनिक समाचार 2026

श्रीमती वंदना पांडेय-संस्थापक एवं अध्यक्ष वंदना चाइल्ड केयर ट्रस्ट, प्रयागराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से, श्रीमती

ट्रस्ट के पीछे की प्रेरक शक्ति रही हैं। 2016 में एक जमीनी पहल के रूप में शुरू हुई इस यात्रा को उन्होंने अपने प्रत्यक्ष एवं समर्पित नेतृत्व से आगे बढ़ाकर प्रयागराज में बाल कल्याण एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक विश्वसनीय एवं प्रतिष्ठित संस्था के रूप में स्थापित किया है। उनके मार्गदर्शन में ट्रस्ट ने शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य सहायता के माध्यम से 1000ह बच्चों के जीवन को छुआ है, और 200ह लड़कियों एवं युवतियों को व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित कर उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास एवं सम्मान की ओर एक वास्तविक, मापने योग्य मार्ग प्रदान किया है। ट्रस्ट की स्थापना से पूर्व श्रीमती वंदना पांडेय ने एक असाधारण बहु-क्षेत्रीय करियर का निर्माण किया, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा एवं अनुकूलन क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कात्यायनी टीवी एवं दिशा टीवी में उत्तर प्रदेश की ब्यूरो चीफ के रूप में पूरे प्रदेश में क्षेत्रीय समाचार कवरेज का नेतृत्व

ऑप्थल्मिक्स को शून्य से खड़ा कर एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बनाई, डीएन पब्लिकेशन्स (प्रयागराज डिविजन) की निदेशक के रूप में क्षेत्रीय संचालन एवं कंटेंट रणनीति की देखरेख की, तथा भारत की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कॉर्पोरेट संचार एवं ब्रांड पोजिशनिंग में विशेषज्ञता हासिल की। मीडिया नेतृत्व, उद्यमिता, प्रकाशन एवं कॉर्पोरेट जनसंपर्क का यह दुर्लभ मिश्रण उन्हें संचार, व्यावसाय रणनीति एवं सामुदायिक प्रभाव पर एक वास्तविक 360-डिग्री पकड़ प्रदान करता है। सामाजिक कार्यों के प्रति उनके अथक समर्पण के लिए श्रीमती वंदना पांडेय को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इसके साथ ही उन्हें अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा भी सम्मान प्राप्त हुआ है, जिनमें रोटरी प्लैटिनम, दशरथ प्रसाद मेमोरियल ट्रस्ट, रुद्र इवेंट्स, हरिश्याम मानव कल्याण शिक्षा

राइट्स एंड क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं इनर व्हील क्लब शामिल हैं। ये सम्मान उनके निःस्वार्थ सेवाभाव एवं समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। आज, 10 वर्षों की सिद्ध एवं जमीनी उपलब्धियों के साथ, श्रीमती वंदना पांडेय इनर व्हील क्लब, अखिल भारतीय महिला परिषद (ए.आई.डब्लू.सी) इलाहाबाद एवं ओमैक्स आनंदा जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ रणनीतिक सहयोग करते हुए ट्रस्ट की साझेदारियों का निरंतर विस्तार कर रही हैं। न्यूज़रूम से बोर्डरूम तक और फिर फील्ड तक की उनकी यात्रा को परिभाषित करने वाली उसी ऊर्जा, बहुमुखी प्रतिभा एवं दूरदृष्टि के साथ, वे कॉर्पोरेट्स, संस्थाओं एवं सरकारी निकायों के साथ मिलकर आने वाले दशक में और भी अधिक जीवन बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'प्रभाव का एक दशक। उद्देश्य का एक जीवन।'

NCC एनुअल ट्रेनिंग कैंप के नौवें दिन ज्ञान, बेहतरीन प्रदर्शन और सांस्कृतिक भावना की झलक दिखी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। एनसीसी एनुअल ट्रेनिंग कैंप के नौवें दिन सीखने, सम्मान पाने और सांस्कृतिक जश्न का बेहतरीन मेल देखने को मिला, जिसमें अनुशासन, लीडरशिप और आपसी भाईचारे जैसे मुख्य मूल्यों की झलक दिखी। दिन की शुरुआत 'अग्निपथ स्कीम' पर एक जानकारीपूर्ण सेंट्रल लेक्चर से हुई। इसमें कैडेट्स को स्कीम के मकसद, योग्यता की शर्तों, भर्ती प्रक्रिया और आर्म्ड फोर्सेज के ज़रिए देश की सेवा करने के लिए युवाओं को मिलने वाले मौकों के बारे में बताया गया। इस सेशन ने कैडेट्स को आत्मविश्वास और लगन के साथ डिफेंस में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद एक शानदार मेडल वितरण समारोह हुआ, जिसमें कैंप के दौरान हुए स्पोर्ट्स इवेंट्स समेत अलग-अलग व्यक्तिगत और टीम प्रतियोगिताओं में कैडेट्स के बेहतरीन प्रदर्शन को सम्मानित किया गया। 15 यूपी बटालियन एनसीसी की कमांडिंग ऑफिसर, कर्नल रितु श्रीवास्तव रावत ने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को उनकी लगन, मेहनत और खेल भावना के लिए बधाई दी। उन्होंने कैडेट्स को एनसीसी के आदर्शों को बनाए रखते हुए हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने की कोशिश जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

ये अवॉर्ड दिए गएः-एकेडमिक्स में सबसे अच्छाः अल्फा कंपनी,

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी- सबसे अच्छी क्वार्टर गार्ड ड्रिलः इलाहाबाद यूनिवर्सिटी- सबसे अच्छी ड्रिल टुकड़ीः जीआईसी फूलपुर। दिन का समापन बहुत ही जोश भरे माहौल में 'कैंप फायर' के साथ हुआ, जहाँ कैडेट्स ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के ज़रिए अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शाम की शुरुआत देशभक्ति गीत 'आरंभ है प्रचंड' की शानदार प्रस्तुति से हुई, जिससे माहौल में जोश और प्रेरणा भर गई। संगीत, डांस और ग्रुप परफॉर्मेंस में कैडेट्स की एकता, क्रिएटिविटी और उत्साह दिखा, जिससे कैंप फायर टीमवर्क और एनसीसी की मज़बूत भावना का एक यादगार जश्न बन गया। दिन भर की गतिविधियों के सफल समापन से कैडेट्स का आत्मविश्वास, अनुशासन और देश के प्रति गर्व की भावना और मज़बूत हुई, और वे कैंप के दौरान सीखे गए मूल्यों और अनुभवों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए।

'जल सारथी' मोबाइल ऐप डाउनलोड कर ग्रामीण पेयजल सेवाओं को बनाएं अधिक प्रभावी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण), रणविजय सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनपद रायबरेली में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित ग्रामीण पेयजल योजनाओं के प्रभावी संचालन, पेयजल आपूर्ति की सतत निगरानी तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित 'जल सारथी' मोबाइल ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने जनपद रायबरेली के समस्त ग्रामीण नागरिकों से अपील की है कि वे अपने मोबाइल फोन में 'जल सारथी' ऐप डाउनलोड कर उसका अधिक से अधिक उपयोग करें। इस ऐप के माध्यम से नागरिक अपने क्षेत्र की पेयजल योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा जलापूर्ति, जल गुणवत्ता, पाइपलाइन लीकेज, जल उपलब्धता एवं अन्य समस्याओं की सूचना सीधे संबंधित विभाग तक पहुंचा सकते हैं। इससे शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद के सभी विकास खंडों, ग्राम पंचायतों एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के माध्यम से ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आमजन को ऐप डाउनलोड करने एवं उसके उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे प्रत्येक ग्रामीण परिवार को डिजिटल माध्यम से बेहतर पेयजल सेवाओं का लाभ मिल सके। जिला प्रशासन एवं उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे 'जल सारथी' ऐप डाउनलोड कर जल जीवन मिशन की इस डिजिटल पहल में सहभागी बनें तथा सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के प्रयासों को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।'जल सारथी' मोबाइल ऐप डाउनलोड करने के लिंकः-Play Store Link-https://play.google.com/store/apps/details?id=com.jal.sarthi , App Store:-https://apps.apple.com/in/app/jal-sarthi/id6760382141 के माध्यम से 'जल सारथी' ऐप डाउनलोड कर सकते हैं।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने को भारत-भारती की नई पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। राष्ट्रीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन भारत-भारती ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आमिटी विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रशांत आर. चौहान से महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में युवाओं को सामाजिक सेवा, नेतृत्व विकास, स्वयंसेवा एवं जनहित अभियानों से जोड़ने के लिए संयुक्त कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों के समन्वय से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सामुदायिक विकास, सांस्कृतिक समरसता तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना से प्रेरित कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने पर सहमति बनी। साथ ही विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच संवाद, सहयोग और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने हेतु संयुक्त अभियानों के आयोजन पर भी विचार-विमर्श किया गया। भारत-भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनय पात्रले एवं उत्तर भारत संगठन मंत्री श्री विवेकानंद दीक्षित के मार्गदर्शन में संगठन देशभर में सेवा, संस्कार, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विभाग संयोजक श्री अंकुर शर्मा तथा गौतम बुद्ध नगर जिला अध्यक्ष श्री सचिन गुप्ता ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सामाजिक परिवर्तन का सक्रिय भागीदार बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक में विश्वास व्यक्त किया गया कि विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के समन्वित प्रयासों से युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और नेतृत्व क्षमता का उपयोग समाज एवं राष्ट्र के समग्र विकास में प्रभावी रूप से किया जा सकेगा।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण हेतु डीसीएचबी निर्माण के लिए लेखपालों को दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के सफलतापूर्वक संपन्न होने के उपरांत द्वितीय चरण के अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट सेंसस हैंडबुक (डीसीएचबी) के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसी क्रम में सदर तहसील, रायबरेली में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सहदेव मिश्र की अध्यक्षता में मंगलवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 80 लेखपालों एवं नगर पालिका के 1 राजस्व निरीक्षक (आरआई) को डीसीएचबी संबंधी कार्यों का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण जिला प्रभारी जनगणना-2027 काजल रानी एवं जिला प्रशिक्षक आशुतोष तिवारी द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को डीसीएचबी एप के माध्यम से कार्य करने की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया गया। बताया गया कि प्रत्येक ग्राम सभा एवं नगरीय क्षेत्र से शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, संचार, परिवहन, पेयजल, स्वच्छता, कृषि तथा अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं से संबंधित विस्तृत एवं प्रमाणिक जानकारी का डिजिटल संकलन किया जाएगा। साथ ही ऐप के संचालन, डेटा प्रविष्टि की प्रक्रिया, आवश्यक सावधानियों तथा गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध सूचना संकलन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों से अपेक्षा की कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी के अनुरूप अपने-अपने क्षेत्रों में सही, अद्यतन एवं तथ्यात्मक सूचनाओं का संकलन सुनिश्चित करें, ताकि तैयार होने वाली डिस्ट्रिक्ट सेंसस हैंडबुक (डीसीएचबी) जनपद की विकास योजनाओं, प्रशासनिक निर्णयों तथा नीति निर्माण के लिए एक विश्वसनीय एवं सशक्त आधार सिद्ध हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने डीसीएचबी एप के माध्यम से निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित कार्य संपादित करने का संकल्प लिया। जनपद प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी इस महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करेंगे। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गौतम सिंह, तहसीलदार आवृति श्रीवास्तव सहित लेखपाल आदि उपस्थित रहे।

माननीय प्रभारी मंत्री डॉ. हंसराज विश्वकर्मा ने कनहर सिंचाई परियोजना का किया निरीक्षण,कनहर सिंचाई परियोजना का कार्य अति शीघ्र करे पूर्ण-मा0 प्रभारी मंत्री जी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दूद्धी का मा0 प्रभारी मंत्री जी ने निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के दिए निर्देश,प्रभारी मंत्री जी पी0डब्लू0डी0 गेस्ट हाउस में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किये बैठक, दिये आवश्यक दिशा निर्देश, प्रभारी मंत्री जी ने गॉव चौपाल संवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को किये निर्देशित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के माननीय प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हंसराज विश्वकर्मा जी ने आज अमवार पहुंचकर निर्माणाधीन कनहर सिंचाई परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया तथा परियोजना की प्रगति का जायजा लिया। इसके उपरांत उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर परियोजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कनहर सिंचाई परियोजना का कार्य अति शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता

सुनिश्चित की जाए। माननीय प्रभारी मंत्री ने परियोजना से प्रभावित विस्थापित परिवारों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा अनुमन्य सुविधायें प्रत्येक लाभार्थी तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाई जाएं। इस दौरान माननीय प्रभारी मंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दूद्धी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने, मरीजों को शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सभी उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराने तथा जर्जर भवनों की आवश्यक मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक को दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मा0 प्रभारी मंत्री जी पी0डब्लू0डी0 गेस्ट हाउस में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किये बैठक, बैठक के दौरान कानून व्यवस्था जन सुरक्षा विकास कार्यो की प्रगति सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा किये और आम जन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण करने के निर्देश दियें उन्होने कहा कि शासन की मंशाके अनुरूप जन सामान्य के शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इस दौरान मा0 प्रभारी मंत्री जी ने गॉव चौपाल संवाद कार्यक्रम में दुद्धी तसिहल के अन्तर्गत ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किये। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष श्री जीत सिंह खरवार, श्री श्रवण कुमार गौड़, अपना दल एस0 के श्री अंजनी पटेल, उप जिलाधिकारी दुद्धी श्री रवि पासवान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं की समय-सारिणी जारी, विद्यालय समय से करें आवश्यक कार्यवाही:आर0वी0 सिंह

नवीनीकरण एवं नवीन छात्रवृत्ति आवेदन की तिथियां घोषित, पात्र विद्यार्थी समय से करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला समाज कल्याण अधिकारी आर.वी. सिंह ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2026-27 में पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शासन द्वारा समय-सारिणी जारी की गई है। उन्होंने बताया है कि समय-सारिणी के अनुसार शिक्षण संस्थाएं 22 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक मास्टर डाटा तैयार करेंगी। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 23 जुलाई से 9 अगस्त 2026 तक विद्यालयों की मान्यता, स्वीकृत सीटों की संख्या एवं प्रोफाइल का ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा। वहीं अल्पसंख्यक वर्ग के लिए एन0एस0पी0 पोर्टल पर पंजीकरण एवं निजी क्षेत्र के विद्यालयों की मार्किंग की प्रक्रिया 23 जुलाई से 10 अगस्त 2026 तक पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया है कि पूर्वदशम एवं दशमोत्तर कक्षाओं के नवीनीकरण (कक्षा 10 एवं 12) के लिए विद्यार्थी 11 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर उसकी हार्ड कॉपी विद्यालय में जमा करेंगे। विद्यालय 11 अगस्त से 30 अगस्त तक बायोमैट्रिक, प्राप्तांक, पूर्णांक एवं उपस्थिति दर्ज कर अपात्र छात्रों का डाटा निरस्त करेंगे, जबकि जिला विद्यालय निरीक्षक 31 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक वास्तविक छात्रों का सत्यापन करेंगे। नवीन (फ्रेश) छात्र-छात्राओं (कक्षा 9 एवं 11) के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन 11 अगस्त से 21 सितंबर 2026 तक किए जाएंगे। विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक फाइनल प्रिंट निकालेंगे तथा 12 अगस्त से 5 अक्टूबर 2026 तक आवश्यक अभिलेखों सहित हार्ड कॉपी विद्यालय में जमा करेंगे। विद्यालय 13 अगस्त से 15 अक्टूबर 2026 तक आवेदन पत्रों का ऑनलाइन सत्यापन एवं अग्रसारण करेंगे, जबकि जिला विद्यालय निरीक्षक 16 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक वास्तविक छात्रों का सत्यापन करेंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा सभी पात्र छात्र-छात्राओं को समय से आवेदन कराने के लिए जागरूक करने की अपील की है, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।

सीडीओ ने खुरपका-मुँहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान के आठवें चरण का किया शुभारम्भ

एफएमडी रोग से बचाव के लिए टीकाकरण आवश्यक, 1962 टोल फ्री सेवा का लाभ उठाने की अपील:सीडीओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के अंतर्गत गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं में खुरपका-मुँहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान के आठवें चरण का शुभारम्भ आज मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा विकास भवन परिसर से मोबाइल वेटरिनरी यूनिट एवं सचल पशु चिकित्सा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में यह 45 दिवसीय सघन टीकाकरण अभियान 22 जुलाई से 08 सितम्बर 2026 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने पशुपालकों से अपील की है कि इस अभियान के दौरान वे अपने पशुओं का अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराएं तथा आकस्मिक पशु चिकित्सा सेवाओं के लिए मोबाइल वेटरिनरी यूनिट की टोल फ्री सेवा 1962 का लाभ उठाएं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. कुलदीप द्विवेदी ने बताया कि इस अभियान के दौरान जनपद की सभी ग्राम पंचायतों, राजस्व ग्रामों एवं शहरी नगर पंचायतों में विकास खण्ड स्तरीय उप मुख्य/पशु चिकित्साधिकारियों के नेतृत्व में गठित टीकाकरण टीमों द्वारा लगभग 6,09,345 गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चार माह से कम आयु के पशुओं तथा आठ माह के गर्भित पशुओं को एफएमडी का टीका नहीं लगाया जाएगा। टीकाकरण से पूर्व पशुओं की ईयर टैगिंग की जाएगी तथा पशुपालकों का नाम, आधार संख्या एवं मोबाइल नंबर सहित आवश्यक विवरण दर्ज कर प्रतिदिन की रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि खुरपका-मुँहपका (एफएमडी) जुगाली करने वाले पशुओं में होने वाला अत्यंत संक्रामक एवं विषाणुजनित रोग है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, मुंह, मसूड़ों, जीभ, ओठों एवं खुरों के बीच छोटे-छोटे छाले बनना, अत्यधिक लार टपकना तथा पशु का जुगाली बंद कर देना शामिल है। उन्होंने कहा कि इस रोग से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण है। साथ ही संक्रमित पशुओं के घावों को एंटीसेप्टिक विलयन से धोने एवं साफ-सफाई बनाए रखने की भी सलाह दी गई। इस अवसर पर उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सदर डॉ. संजय कुमार सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अनुपम कुमार चौधरी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

30 जुलाई से प्रारम्भ होने वाली कावड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर प्रशासन अलर्ट,कांवड़ यात्रा की तैयारियों में कोई कमी न रहे, श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आगामी 30 जुलाई से प्रारंभ होकर 28 अगस्त तक संचालित होने वाली कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य आवश्यक

श्रद्धालुओं सुविधा एंव सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, सभी व्यवस्थायें ससमय की जाये पूर्ण-जिलाधिकारी

व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध रूप से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में बड़ी संख्या में श्रद्धालु विजयगढ़ किले के समीप स्थित राम सरोवर से पवित्र जल लेकर शिवद्वार मंदिर तक पैदल एवं विभिन्न वाहनों से पहुंचते हैं। ऐसे में यात्रा मार्ग पर प्रत्येक व्यवस्था सुचारु एवं सुरक्षित होनी चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि विजयगढ़ किले के समीप पेयजल, अस्थायी प्रकाश व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी कैमरे तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं समय रहते उपलब्ध करा दी जाएं। शिवद्वार मंदिर तक जाने वाले सभी संपर्क मार्गों का पैचवर्क एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर पूर्ण कराया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी सड़क पर गड्ढे अथवा अवरोध न रहें, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि यात्रा मार्ग एवं मंदिर परिसर के आसपास ढीले विद्युत तारों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, विद्युत लाइनों को सुरक्षित बनाया जाए तथा सभी स्ट्रीट लाइटें पूरी यात्रा अवधि के दौरान सुचारु रूप से संचालित रहें। नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत एवं जिला पंचायत राज विभाग को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शिवद्वार मंदिर, विजयगढ़ क्षेत्र एवं संपूर्ण यात्रा मार्ग पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। नियमित साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण, पेयजल, अस्थायी शौचालय, टेंट, विश्राम स्थल एवं रात्रि विश्राम की समुचित व्यवस्था समय से सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रा की प्रभावी निगरानी के लिए जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कंट्रोल रूम में प्रशासन, पुलिस एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए, जिससे किसी भी सूचना अथवा समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप ही रहे। इसके लिए पूर्व सत्यापन कराया जाए तथा डीजे संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, जिससे विद्युत तारों से टकराने जैसी दुर्घटनाओं की संभावना न रहे। उन्होंने यात्रा मार्ग पर झाड़ियों की कटाई, संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा निर्धारित स्थानों पर वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री रमेश चंद्र, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे श्री रोहित यादव, उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज श्री आशीष त्रिपाठी, संबंधित विभागों के अधिकारी, शिवद्वार मंदिर के पुजारी, धर्मगुरु, व्यापारी प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उच्च कक्षाओं के छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति आवेदन की समय-सारिणी जारी,निर्धारित समय-सारिणी का करें पालन, कोई पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित न रहे:आर.वी.सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला समाज कल्याण अधिकारी आर.वी. सिंह ने बताया कि छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए दशमोत्तर (कक्षा 12 से उच्चत्तर) में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र-छात्राओं के आवेदन हेतु शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि शिक्षण संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा (शुल्क, पाठ्यक्रमवार, विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी आदि) का डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापन एवं नवीन संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन 22 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी के नोडल अधिकारी द्वारा पाठ्यक्रम, सीट एवं शुल्क का सत्यापन 23 जुलाई से 30 अगस्त 2026 तक होगा। इसके उपरांत समस्त संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा का सत्यापन एवं लॉक करने तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी स्तर से शुल्क संबंधी कार्यवाही 25 जुलाई से 14 सितम्बर 2026 तक पूर्ण की जाएगी। उन्होंने बताया है कि नवीनीकरण (रिनिवल) श्रेणी के छात्र-छात्राएं 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर हार्ड कॉपी संस्थान में जमा करेंगे। संस्थानों द्वारा बायोमैट्रिक, प्राप्तांक, पूर्णांक एवं उपस्थिति अंकित करने तथा अपात्र छात्रों का डाटा निरस्त करने की कार्यवाही 25 अक्टूबर 2026 तक की जाएगी। वहीं विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन तथा अपात्र छात्र, पाठ्यक्रम एवं संस्थाओं को ब्लॉक करने की कार्यवाही 05 नवम्बर 2026 तक पूर्ण होगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि नवीन (फ्रेश) छात्र-छात्राएं 15 सितम्बर से 31 अक्टूबर 2026 तक पंजीकरण एवं ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन का अंतिम प्रिंट 16 सितम्बर से 2 नवम्बर 2026 तक निकाला जाएगा तथा आवश्यक संलग्नकों सहित हार्ड कॉपी 4 नवम्बर 2026 तक शिक्षण संस्थान में जमा करनी होगी। शिक्षण संस्थानों द्वारा ऑनलाइन सत्यापन एवं अग्रसारण की कार्यवाही 10 नवम्बर 2026 तक तथा विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन एवं अपात्र छात्र, पाठ्यक्रम एवं संस्थाओं को ब्लॉक करने की कार्यवाही 25 नवम्बर 2026 तक संपन्न की जाएगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों से शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। साथ ही छात्र-छात्राओं को समय से आवेदन करने के लिए जागरूक करने तथा संस्थागत स्तर पर सभी आवश्यक कार्यवाहियां निर्धारित अवधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि कोई भी पात्र छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।

24 जुलाई को जिला पंचायत सभागार में महिला जनसुनवाई,राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव सुनेंगी शिकायतें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 उपाध्यक्ष (उपमंत्री स्तर प्राप्त) उ0प्र0 राज्य महिला आयोग अपर्णा यादव द्वारा 24 जुलाई 2026 को एक दिवसीय जनपद में भ्रमण, निरीक्षण, बैठक व महिला जनसुनवाई कार्यक्रम प्रस्तावित है। कार्यक्रम के तहत महिला उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न तथा घरेलू हिंसा से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए जिला पंचायत सभागार में अपरान्ह 02:00 बजे से महिला जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक प्रस्तावित है। जनपद की यदि किसी भी महिला को महिला उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न या घरेलू हिंसा से संबंधित कोई शिकायत है तो वे निर्धारित समय पर जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्या प्रस्तुत कर सकती हैं, जिससे उनका त्वरित निस्तारण कराया जा सके।

25 जुलाई को जिला पंचायत सभागार में महिला जनसुनवाई,राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी सुनेंगी शिकायतें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनहित में महिलाओं से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से उ0प्र0 राज्य महिला आयोग द्वारा जनपद में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत 25 जुलाई 2026 को उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी का जनपद भ्रमण प्रस्तावित है। कार्यक्रम के तहत महिला उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न तथा घरेलू हिंसा से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए जिला पंचायत सभागार में पूर्वाह्न 11:00 बजे से महिला जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक प्रस्तावित है। जनपद की यदि किसी भी महिला को महिला उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न या घरेलू हिंसा से संबंधित कोई शिकायत है तो वे निर्धारित समय पर जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्या प्रस्तुत कर सकती हैं, जिससे उनका त्वरित निस्तारण कराया जा सके।

अलि जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवन के ध्वसित करण को रोकने के लिए सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रामपुर उत्तर प्रदेश स्थित मो0 अली जौहर विश्वविद्यालय के भवनों को रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा ध्वस्त किये जाने की जारी नोटिस के सम्बन्ध में महामहिम से निवेदन है कि सन् 2006 मे पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार मो0 आजम खान साहब द्वारा रामपुर में मु0 अली जौहर विश्वविद्यालय नामक उच्च शिक्षण संस्थान स्थापित की गयी थी जो यु0जी0सी0 द्वारा मान्यता प्राप्त है जिसमें उच्च शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित हो रहे है और वर्तमान मे हजारों छात्र-छात्राएं अध्यनरत है। उक्त विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं देश-विदेश में अपनी सेवा दे रहे हैं। ऐसा संज्ञान में आया है कि रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने की नोटिस जारी की गयी है जिससे देश के शिक्षाप्रेमी शिक्षाविद से लेकर आम जनमानस बहुत आहत है। महोदया अगर विश्वविद्यालय के भवनों को ध्वस्त किया गया तो उसमे अध्यनरत हजारों छात्र-छात्राओं समेत विश्वविद्यालय में शैक्षिणिक कार्य करने वाले अनेक प्रोफेसर व कर्मचारियों का भविष्य भी ध्वस्त हो जायेगा। अतः निवेदन है कि देश की प्रगति में शिक्षण संस्थाओं के योगदान को ध्यान में रखते हुए एवं हजारों छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य हेतु शिक्षा के मन्दिर मो0 अली जौहर विश्वविद्यालय को ध्वस्त किये जाने की रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जारी नोटिस को निरस्त करने की कृपा करें। शिक्षाप्रेमी आपके सदा आभारी रहेगें। विनीत सरोज सुशीलराय विपिन कुमारसिंह, मुनीर खान, सतीश त्यागी, गुलाम यासीन, प्रार्थीगण / नेतृत्वकर्ता सूर्य कान्त द्विवेदी, मुस्तफा सिद्धिकी, संजय कुमार, तनवीर खॉन, सुरज मिश्रा, विवेक सोनी अंकित श्रीवास्तव, खुर्शीद आलम, शाहिद, असलम खान, अजय कश्यप, आमीन अली, रहें।

मोदी ने सरकार चलाने का नैतिक अधिकार खो दिया,रोजगार अधिकार अभियान ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म्योरपुर, सोनभद्र 22 जुलाई 2026, शिक्षा व्यवस्था में धांधली की जबावदेही तय कर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की न्यूनतम मांग पर आयोजित संसद मार्च पर जिस तरह मोदी सरकार की पुलिस ने बर्बर दमन किया गया और सादी वर्दी में बच्चों को जिस बुरी तरह मारा गया है, उसके बाद मोदी सरकार ने सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। इसलिए धर्मेंद्र प्रधान के साथ इस दमन के जिम्मेदार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह को भी अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। यह मांग आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित ज्ञापन में रोजगार अधिकार अभियान ने कही।आज म्योरपुर खंड विकास अधिकारी के माध्यम से यह ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि संसद मार्च पर हुए पुलिस दमन की स्वतंत्र एवं न्यायिक जांच कराई जाए। बिना वर्दी और बिना नेम प्लेट के कार्रवाई करने वाले सभी व्यक्तियों की पहचान सार्वजनिक की जाए तथा यह बताया जाए कि किस सक्षम अधिकारी और मजिस्ट्रेट के आदेश पर लाठीचार्ज किया गया। शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल छात्रों, युवाओं और नागरिकों पर दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए जाएं। पुलिस की कार्रवाई में घायल हुए सभी लोगों को उचित उपचार और मुआवजा दिया जाए। शिक्षा व्यवस्था में हुई धांधली की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी संस्थागत सुधार किए जाएं। संविधान द्वारा प्रदत्त शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की पूर्ण रक्षा सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन देने वालों में रोजगार अधिकार अभियान की संयोजक सविता गोंड, युवा मंच संयोजक रूबी सिंह गोंड, आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के संयोजक कृपाशंकर पनिका, सुगवंती गोंड, ललित कुमार श्याम, मंजू यादव, देवबली गोंड, बुद्धि नारायण गोंड आदि लोग शामिल रहे।

जनसुनवाई में लापरवाही पर जिलाधिकारी का बड़ा एक्शन, 11 अधिकारियों का वेतन अवरुद्ध,विडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से की गयी निगरानी में अनुपस्थित अधिकारियों का दो दिन में मांगा स्पष्टीकरण, जवाबदेही तय करने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनसामान्य की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक आयोजित जनसुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, तहसील एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान 11 जिला स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अनुपस्थित पाए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। अनुपस्थित पाए गए अधिकारियों में मुख्य चिकित्साधिकारी, ज्येष्ठ खान अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, सहायक महानिरीक्षक निबंधन, सहायक निदेशक रेशम, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी तथा अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग शामिल हैं। जिलाधिकारी ने सभी अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन तत्काल प्रभाव से अवरुद्ध करने के निर्देश देते हुए दो दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता, उदासीनता अथवा अनुशासनहीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक अपने कार्यालय में बैठकर आमजन की शिकायतों की सुनवाई सुनिश्चित करें, साथ ही जिला, तहसील एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारियों की भी निर्धारित समय में जनसुनवाई एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित कराएं, ताकि प्रत्येक शिकायत का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई आमजन की अपेक्षाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध भविष्य में प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

रॉबर्ट्सगंज में सम्मान व पुरस्कार वितरण के साथ भूजल सप्ताह का भव्य समापन,छात्राओं को मिला सम्मान, ली गई जल संरक्षण की शपथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आयोजित भूजल सप्ताह के अवसर पर संस्कृति विभाग, पुरातत्व विभाग एवं अभिलेखागार लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम का समापन रॉबर्ट्सगंज स्थित गुरु नानक बालिका इंटर कॉलेज में भव्य तरीके से हुआ। इस अवसर पर सम्मान, पुरस्कार वितरण और जल संरक्षण शपथ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कुसुमाकर श्रीवास्तव ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में इतिहासकार दीपक कुमार केसरवानी, पूर्व विधायक तीरथराज, पर्यावरणविद् रवि प्रकाश चौबे उपस्थित रहे। समारोह के दौरान क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी वाराणसी राजीव रंजन द्वारा कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. कुसुमाकर श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि दीपक कुमार केसरवानी, पूर्व विधायक तीरथराज, पर्यावरणविद रवि प्रकाश चौबे, कॉलेज के प्रबंधक जसवीर सिंह तथा कोषाध्यक्ष रणजीत सिंह को माल्यार्पण, अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह प्रदान कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय इस आयोजनों के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में रोशनी वर्मा ने प्रथम, पूजा ने द्वितीय तथा स्मृति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में शालू प्रथम, परिधि द्वितीय और सोनाली तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं मॉडल कला प्रतियोगिता में आशिका अग्रवाल ने प्रथम, पारुल, शिखा व फिजा की टीम ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा मधु ने तृतीय स्थान हासिल किया। अतिथियों और उपस्थित जनसमूह के स्वागत में छात्रा अंजलि, आसी, आभा, कोमल, अंशिका, मधु, काव्या, अनन्या और प्राची द्वारा बेहद आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य नाटिका व सुमधुर गीत प्रस्तुत किए गए, जिसे देखकर उपस्थित लोग भावविभोर हो उठे। समारोह में अतिथियों ने छात्राओं द्वारा लगाई गई विज्ञान एवं मॉडल प्रदर्शनी का भी बारीकी से अवलोकन किया और उनके बाल-वैज्ञानिक दृष्टिकोण व कलात्मक प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। तीन दिनों तक चले इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया, जिन्हें अध्यक्ष डॉ. कुसुमाकर श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि दीपक कुमार केसरवानी, मुख्य वक्ता रवि प्रकाश चौबे, संगीतकार सरदार दया सिंह, प्रधानाचार्य जयप्रकाश द्विवेदी, क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई वाराणसी के राजीव रंजन, रूपेश कुमार झा, आशुतोष कुमार और दिनेश कुमार द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में लघु सिंचाई विभाग सोनभद्र के हृदय नारायण महतो द्वारा भूजल संरक्षण और जल की हर एक बूंद बचाने के लिए उपस्थित सभी अतिथियों, छात्राओं, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों को सामूहिक रूप से संकल्प व शपथ दिलाई गई।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद हैं लौंग, डॉक्टर से जानें हेल्थ बेनिफिट्स, किन कंडीशंस में न खाएं, ज्यादा खाने के नुकसान

नयी दिल्ली। दांतों में दर्द, मसूड़ों से खून आना, मुंह से बदबू आना या बार-बार होने वाला इंफेक्शन, ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनसे बड़ी संख्या में लोग परेशान रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी रसोई में मौजूद एक छोटा-सा मसाला इन परेशानियों से बचाव में मदद कर सकता है? हम बात कर रहे हैं लौंग की। 'जर्नल ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्रिवेंटिव एंड कम्युनिटी डेंटिस्ट्री' के मुताबिक, करीब 95फीसदी वयस्क किसी-न-किसी ओरल हेल्थ समस्या से जूझते हैं। वहीं, हाल की कुछ स्टडीज बताती हैं कि लौंग में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड्स मसूड़ों की सूजन कम करने और दांतों पर जमे प्लाक को घटाने में मदद कर सकते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज बात करेंगे लौंग के ओरल हेल्थ बेनिफिट्स की। साथ ही जानेंगे कि- लौंग में कौन-से पोषक तत्व होते हैं? इसे कितनी मात्रा में खाना सेफ है? किन लोगों को लौंग नहीं खानी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर [illegible] डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- लौंग में कौन-से एक्टिव कंपाउंड्स होते हैं? जवाब- लौंग में कई एक्टिव कंपाउंड्स होते हैं, जो इसे सेहत के लिए फायदेमंद बनाते हैं। जैसे- यूजेनॉलः दर्द और सूजन कम करने में मदद करता है। यूजेनाइल एसीटेटः इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करता है। बीटा-कैरियोफाइलीनः सूजन और दर्द से राहत दिलाता है। गैलिक एसिडः सेल्स को फ्री-रेडिकल्स से बचाता है। टैनिन्सः बैक्टीरिया से बचाता है और सेल्स की सुरक्षा करता है। फ्लेवोनॉयड्सः इंफ्लेमेशन कम करता है। ट्राइटरपेनॉइड्सः ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम करता है। सवाल- जब हम लौंग चबाते हैं तो शरीर में क्या होता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- चबाने पर यूजेनॉल रिलीज होता है, जो लौंग का सबसे प्रमुख एक्टिव कंपाउंड है। लार का प्रोडक्शन ज्यादा होता है, जिससे खाना पचाने की प्रक्रिया बेहतर होती है। मुंह को नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टीरिया कम होते हैं। सांसों की स्मेल कुछ समय के लिए कम हो सकती है। दांत और मसूड़ों में हल्का सुन्नपन महसूस हो सकता है। इससे दांत दर्द में अस्थायी राहत मिल सकती है। एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी कंपाउंड्स शरीर में पहुंचते हैं, जो सेल्स को डैमेज और इंफ्लेमेशन से बचाने में मदद करते हैं। सवाल- रोज लौंग खाने से क्या फायदे होते हैं? जवाब- डेली सीमित मात्रा में लौंग खाने से इसमें मौजूद यूजेनॉल और दूसरे एक्टिव कंपाउंड्स शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूरा, पाचन को सपोर्ट करे। मुंह की बदबू कम करे। मसूड़ों को स्वस्थ रखे। मुंह के बैक्टीरिया से लड़े। मसूड़ों की स्वेलिंग कम करे। इम्यूनिटी को सपोर्ट करे। ब्लड शुगर कंट्रोल करे। लिवर हेल्थ को सपोर्ट करे। ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम करे। सवाल- किन हेल्थ कंडीशंस में लौंग सबसे ज्यादा फायदेमंद है?जवाब- लौंग कुछ सामान्य हेल्थ प्रॉब्लम्स में राहत पहुंचाती है, जैसेकि- दांत दर्द में। मसूड़ों की सूजन में मुंह की बदबू में। गले की हल्की खराश में गैस और अपच में। हल्की सूजन में। सवाल- क्या लौंग खाने से मेमोरी बढ़ती है? जवाब- नहीं, ये कहना सही नहीं होगा। हालांकि इसमें मौजूद यूजेनॉल और दूसरे एंटीऑक्सिडेंट कंपाउंड्स ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। ये दोनों चीजें ब्रेन को हेल्दी रखने में मदद करती हैं। सवाल- लौंग कब खाना चाहिए? जवाब- डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि इसका कोई तय समय नहीं है। जरूरत और उद्देश्य के अनुसार इसे सीमित मात्रा में कभी-भी खा सकते हैं। लेकिन इन बातों का ध्यान रखें- पाचन के लिए,खाना खाने के बाद लौंग चबा सकते हैं। इससे पाचन में मदद मिलती है और कुछ समय के लिए सांसों की स्मेल भी कम होती है। गले की खराश के लिए, हल्की खराश होने पर 1-2 लौंग चबा सकते हैं। इससे कुछ लोगों को अस्थायी राहत मिल सकती है। सवाल- लौंग का पानी ज्यादा फायदेमंद है या साबुत लौंग चबाना? जवाब- आमतौर पर साबुत लौंग चबाना इसका पानी पीने से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। चबाने पर लौंग का एसेंशियल ऑयल सीधे निकलता है। इसमें यूजेनॉल समेत कई एक्टिव कंपाउंड्स भरपूर मात्रा में होते हैं। लौंग का पानी बनाने पर इनमें से कुछ ही तत्व पानी में घुल पाते हैं। अगर किसी को साबुत लौंग चबाने में दिक्कत हो तो लौंग का पानी भी एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। सवाल- एक दिन में कितनी लौंग खाना सेफ है? जवाब- डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि प्रतिदिन 1-2 साबुत लौंग खाना सेफ है। इससे ज्यादा खाना नुकसानदायक हो सकता है। सवाल- किन लोगों को लौंग खाते हुए सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- एक स्वस्थ वयस्क के लिए सीमित मात्रा में लौंग सेफ मानी जाती है। लेकिन कुछ लोगों को इसे खाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं। ब्रेस्टफीडिंग महिलाएं। जिन्हें लौंग से एलर्जी है। जिन्हें डायबिटीज है। जो ब्लड थिनर्स लेते हैं। जिनकी सर्जरी होते वाली है। जिन्हें पेट में अल्सर है। जिन्हें एसिडिटी है। सवाल- क्या लौंग किसी दवा के असर को प्रभावित कर सकती है? जवाब- हां, ज्यादा मात्रा में लौंग या लौंग का तेल कुछ दवाओं के असर को प्रभावित कर सकता है, जैसेकि- ब्लड थिनर्स। डायबिटीज की दवाएं। सर्जरी से पहले दी जाने वाली कुछ दवाएं। लौंग में यूजेनॉल होता है, जो ब्लड क्लॉटिंग प्रोसेस और ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकता है। अगर नियमित ब्लड थिनर या शुगर की दवा लेते हैं तो लौंग या लौंग का तेल यूज करने से पहले डॉक्टर की सलाह लें। सवाल- क्या ज्यादा लौंग खाने से नुकसान हो सकता है? जवाब- हां, जरूरत से ज्यादा लौंग खाने पर इसके कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। ग्राफिक में सभी साइड इफेक्ट्स देखिए- पेट में जलन, एसिडिटी, मतली, उल्टी, ब्लड शुगर बहुत कम होना, पेट दर्द, मुंह, गले में ब्लीडिंग, लिवर टॉक्सिसिटी। लौंग से जुड़े कुछ कॉमन सवाल-जवाब-सवाल- क्या गले की खराश में लौंग चबाना फायदेमंद है? जवाब- हां, हल्की खराश में लौंग चबाने से कुछ राहत मिल सकती है। इसमें मौजूद यूजेनॉल हल्का सुन्नपन पैदा करता है, जिससे दर्द कम महसूस हो सकता है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुण कुछ बैक्टीरिया से लड़ने में भी मदद कर सकते हैं। सवाल- क्या लौंग चबाने से दांतों पर दाग पड़ते हैं? जवाब- नहीं, लौंग से दांतों पर दाग नहीं पड़ते, बल्कि इससे ओरल हेल्थ को फायदा होता है। सवाल- लौंग चबाने के बाद उसे निगलना चाहिए या फेंक देना चाहिए? जवाब- अगर लौंग अच्छी तरह चबाने के बाद मुलायम हो गई है, तो उसे निगल सकते हैं। अगर स्वाद पसंद न आए, तो थूक सकते हैं। लौंग के ज्यादातर एक्टिव कंपाउंड्स चबाने के दौरान ही निकल जाते हैं। सवाल- क्या रात में लौंग का पानी पीना फायदेमंद है? जवाब- हां, इससे पाचन को सपोर्ट मिल सकता है और सुबह पेट फूलने की समस्या कुछ हद तक कम हो सकती है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुण मुंह साफ रखते हैं, जिससे सुबह सांसों की स्मेल कम हो सकती है।

फेमा केस में ललित मोदी को मिली राहत, ट्रिब्यूनल ने ईडी का जुर्माना रद्द किया, 2009-आईपीएल साउथ अफ्रीका में कराने पैसे भेजने का था आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क। आईपीएल-2009 को साउथ अफ्रीका में आयोजित कराने से जुड़े 15 साल पुराने फेमा (फेमा) मामले में पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी को बड़ी राहत मिली है। स्मगलर्स एंड फॉरेन एक्सचेंज मैनिपुलेटर्स एक्ट (सफिमा) के तहत अपीलेट ट्रिब्यूनल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का उन पर लगाया जुर्माना रद्द कर दिया है। यह मामला 2009 में लोकसभा चुनाव के दौरान सुरक्षा कारणों से आईपीएल का दूसरा सीजन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कराने से जुड़ा है। ईडी का आरोप था कि बीसीसीआई ने आईपीएल 2009 के आयोजन के लिए करीब 4.98 करोड़ अमेरिकी डॉलर (243 करोड़ रुपए से अधिक) भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति के बिना विदेश भेजे थे। ट्रिब्यूनल ने कहा- ललित मोदी इस लेनदेन के जिम्मेदार नहीं-105 पन्नों के फैसले में ट्रिब्यूनल ने कहा कि ललित मोदी की जिम्मेदारी साबित करने वाला कोई ठोस साक्ष्य नहीं है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि मोदी बीसीसीआई के मामलों के प्रभारी नहीं थे। उन्हें पर्याप्त सबूतों के बिना इस मामले में शामिल किया गया था। इसलिए उन पर लगाया गया जुर्माना गलत था। 2018 में ईडी ने जुर्माना लगाया था-ईडी ने 2011 में इस मामले में शो-कॉज नोटिस जारी किए थे। 2018 में ललित मोदी, बीसीसीआई के कुछ पूर्व पदाधिकारियों और अन्य पर जुर्माना लगाया था। इसके बाद सभी ने सफिमा अपीलीय न्यायाधिकरण में इसे चुनौती दी थी। ललित मोदी ने कहा- कोई गलत काम नहीं किया-फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि उन्होंने हमेशा भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के हित में काम किया और कोई व्यक्तिगत गलत कार्य नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि यह भी पुष्टि करता है कि किसी भी आरोप का फैसला कानून और साक्ष्यों के आधार पर ही होना चाहिए।

विराट-अनुष्का प्रेमानंदजी से मिलने पहुंचे, कीचड़ भरे रास्ते पर नंगे पैर चले, वृंदावन आश्रम में एक घंटा रुके

मथुरा। विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। दोनों बुधवार तड़के 4 बजे महाराजजी के नए आश्रम यमुना विहार कुंज पहुंचे। चेहरे पर मास्क लगाकर नंगे पांव आश्रम के अंदर गए। बारिश की वजह से रास्ते में कीचड़ था। विराट, अनुष्का का हाथ थामकर कीचड़ में चलते नजर आए। प्रेमानंदजी के शिष्यों ने उनकी अगवानी की। दोनों करीब 1 घंटे तक आश्रम में रहे। बाहर आए तो विराट के माथे पर चंदन का टीका और हाथ में प्रसाद था। फिर कार से दोनों आश्रम से 15 किमी. दूर महाराजजी के गुरु हित गोविंद शरण महाराज के आश्रम पहुंचे। उनके दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। विराट और अनुष्का ने इससे पहले छ्श्र जीतने के बाद 2 जून को संत प्रेमानंद के दर्शन किए थे। दोनों 2 घंटे तक आश्रम में रहे थे। माथे पर चंदन, त्रिपुंड और हाथ में एक किताब लेकर बाहर आए थे। इंग्लैंड सीरीज में हार के बाद वृंदावन पहुंचे कोहली-विराट इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में मिली हार के बाद वृंदावन पहुंचे। इंग्लैंड ने 3 मैचों की सीरीज में भारत को 2-1 से हराया था। सीरीज में विराट ने 48 के औसत से कुल 144 रन बनाए थे। लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक मुकाबले में विराट ने 74 रन की पारी खेली थी। इससे पहले, एजबस्टन में पहले वनडे में 5 और कार्डिफ में दूसरे वनडे में 65 रन बनाए थे। गुरु पूर्णिमा महोत्सव से पहले प्रेमानंदजी के दर्शन किए- प्रेमानंदजी के नए आश्रम यमुना विहार कुंज में कल यानी 23 जुलाई से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा महोत्सव होने जा रहा है। इसमें अलग-अलग राज्यों के शिष्यों के लिए अलग-अलग दिन तय किया गया है। यहां 28 जुलाई तक महाराज जी दर्शन देंगे। 29 जुलाई को वह केली कुंज आश्रम जाएंगे। जहां उनसे दीक्षा ले चुके संतों को दर्शन देंगे। 8वीं बार प्रेमानंदजी से मिलने पहुंचे विराट-अनुष्का- विराट और अनुष्का ने अब तक 8 बार संत प्रेमानंद से मुलाकात की है। दोनों पहली बार 4 जनवरी 2023 को संत प्रेमानंद से मिले थे। 3 साल में दोनों की यह 8वीं और इस साल चौथी मुलाकात है। जून से पहले 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन महाराजजी के दर्शन किए थे। सत्संग सुना था। 16 फरवरी को बेटे अकाय के जन्मदिन के बाद भी दोनों यहां आए थे। 2025 में भी यह कपल तीन बार आश्रम पहुंचा था। जनवरी में बच्चों के साथ पहुंचे। इसके बाद मई और दिसंबर में प्रेमानंदजी के दर्शन किए थे।

डेविड वॉर्नर को हो सकती है जेल, ड्रिंक एंड ड्राइव केस में जुर्म स्वीकार किया

स्पोर्ट्सडेस्क। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने अप्रैल में शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में अदालत में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। 18 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी। उन पर 6 महीने का ड्राइविंग बैन, 2200 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर जुर्माना और अधिकतम 9 महीने की जेल हो सकती है। अप्रैल में ईस्टर संडे के दिन सिडनी में पुलिस चेकिंग के दौरान वॉर्नर शराब के नशे में पाए गए थे। वॉर्नर के दोषी पाए जाने के बाद बिग बैश लीग में सिडनी थंडर टीम की उनकी कप्तानी भी जा सकती है।गुनाह कबूल किया- बुधवार को सिडनी की एक लोकल कोर्ट में 39 साल के वॉर्नर की ओर से उनके वकील बॉबी हिल ने औपचारिक रूप से अपना गुनाह कबूल किया। वॉर्नर खुद कोर्ट में मौजूद नहीं थे। यह मामला ईस्टर संडे (5 अप्रैल) की एक घटना से जुड़ा है, जब पुलिस ने सिडनी के पूर्वी इलाके मारौबरा में वॉर्नर की गाड़ी को रोका था। बीएसी ज?यादा पाया गया- पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, वॉर्नर ने सड़क किनारे होने वाली रैंडम ब्रेथ-टेस्टिंग साइट से कुछ पहले ही अपनी गाड़ी रोक दी थी, जिसके बाद पुलिस अधिकारी उनके पास पहुंचे। स्थानीय पुलिस स्टेशन में की गई दूसरी ब्रेथ एनालिसिस जांच में ब्लड अल्कोहल कंसंट्रेशन (बीएसी) 0.104 पाया गया, जो ऑस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा 0.05 से दोगुने से भी ज्यादा है।

शुभमन गिल वनडे में नंबर-1 बनने से एक कदम दूर, न्यूजीलैंड के मिचेल टॉप पर बने हुए,रूट 6 साल बाद टॉप-10 में शामिल

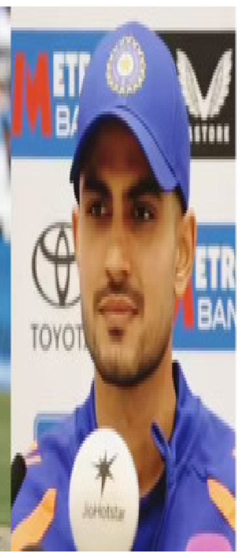

दुबई। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज बनने से एक अंक दूर है। वे आईसीसी के वनडे बैटर्स की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। गिल के 801 रेटिंग पॉइंट्स हैं, जबकि मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 डेरिल मिचेल के 802 अंक हैं। 19 जुलाई को लॉर्ड्स में 138 रनों की पारी खेलने वाले रोहित शर्मा ने विराट कोहली से रेटिंग पॉइंट्स का फासला कम कर लिया है। दोनों में 9 रेटिंग पॉइंट्स का अंतर है। रोहित चौथे और विराट तीसरे स्थान पर हैं। आईसीसी ने बुधवार को ताजा रैंकिंग जारी की। वनडे की बैटिंग रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रूट को चार स्थान का फायदा हुआ है। वे 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। रूट साल 2020 के बाद पहली बार उन्होंने वनडे रैंकिंग के टॉप-10 में जगह बनाई है। रूट ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में नाबाद रहे थे। उन्होंने 76, 99 और 74 रन की पारियां खेली थीं। लॉर्ड्स वनडे में 141 रन बनाने वाले बेन डकेट 11 स्थान की बढ़त के साथ संयुक्त 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अक्षर, अल्जारी और करन को 10-10 स्थान का फायदा-वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के अक्षर पटेल, वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ और इंग्लैंड के सैम करन को 10-10 स्थान का फायदा हुआ है। अक्षर 32वें, जोसेफ 26वें और करन 70वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर चौथे और वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती संयुक्त नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। टी20आई में तांजिद, बेनेट और नगरवा ने लगाई छलांग-आईसीसी की ताजा टी20आई रैंकिंग में बांग्लादेश के तांजिद हसन करियर की सर्वश्रेष्ठ 20वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर ब्रायन बेनेट नौवें स्थान पर पहुंचकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की, जबकि तेज गेंदबाज रिचर्ड नगरवा 37 स्थान की छलांग लगाकर करियर के सर्वश्रेष्ठ 32वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स

भारतीय बॉक्सिंग टीम का सामान आयरलैंड में छूटा, बेलफास्ट से ग्लासगो जाते वक्त एयरपोर्ट पर रह गया, ओपनिंग सेरेमनी की ड्रेस-किट भी नहीं पहुंची

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए मंगलवार को बेलफास्ट से ग्लासगो पहुंची टीम को परेशानी का सामना करना पड़ा। टीम का आधा सामान बेलफास्ट में ही छूट गया, जहां खिलाड़ी ट्रेनिंग कर रहे थे। इनमें बॉक्सिंग गियर, किट और ओपनिंग सेरेमनी की ड्रेस शामिल हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, टीम के सदस्यों ने बताया कि आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट से ग्लासगो जाने वाला विमान काफी छोटा था। इस वजह से काफी सामान वहीं छोड़ना पड़ा।कॉमनवेल्थ गेम्स 23 जुलाई से शुरू हो रहे हैं। पहले दिन ओपनिंग सेरेमनी होगी। बॉक्सिंग के मुकाबले 24 जुलाई से शुरू होने हैं। भारत ने गेम्स में 22 बॉक्स उतारे हैं। ये सभी खिलाड़ी 12 जुलाई से बेलफास्ट में स्पेशल ट्रेनिंग कर रहे थे। वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन और हेड कोच का सामान गायब-वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया (57 किग्रा), साक्षी चौधरी (51 किग्रा), परवीन हुड्डा (65 किग्रा), जादुमनी सिंह (55 किग्रा) और कपिल पोखारिया (90 किग्रा) का सामान मिसिंग है। प्लेयर्स के अलावा, मेंस टीम के हेड कोच सी. कुटप्पा का बैग भी ग्लासगो नहीं पहुंचा है। इसी महीने जब टीम दोहा से बेलफास्ट जा रही थी, तब भी लगेज को लेकर ऐसी ही समस्या आई थी। महिला कोच को अलग होटल में ठहराया, तैयारियों पर असर- सामान छूटने के साथ-साथ टीम को रुकने की व्यवस्था में भी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। महिला मुक्केबाजों की कोच को उस होटल में कमरा नहीं मिला है, जहां खिलाड़ी ठहरी हुई हैं। कोच को खिलाड़ियों से दूर दूसरे होटल में रखा गया है, जिससे टूर्नामेंट की तैयारियों और टीम के तालमेल में परेशानी आ रही है।

96 साल के बफे बोले-कमाने से ज्यादा मजा बांटने में,पिता प्लंबर होते तो निवेशक न बनता, मेरी सफलता में टैलेंट से ज्यादा किस्मत

न्यूयॉर्क। दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ने अपनी

सफलता का बड़ा श्रेय किस्मत को दिया है। करीब 147 अरब डॉलर (14.15 लाख करोड़ रुपए) नेटवर्थ वाले बफेट ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनकी कामयाबी में टैलेंट या मेहनत जितना ही रोल 'लक' का रहा। अगले महीने 96 साल के होने वाले वॉरेन बफेट ने कहा कि लंबी उम्र ने उन्हें दशकों तक संपत्ति बनाने का मौका दिया। यह भी किस्मत का ही खेल है। बफेट ने अपने शुरुआती जीवन, अवसरों, जन्म की परिस्थितियों व परोपकार पर चर्चा की। पढ़िए इस इंटरव्यू के खास अंश- ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक बफे दुनिया के 10वें सबसे अमीर हैं, 80फीसदी वक्त किताबें- रिपोर्ट्स पढ़ने में बिताते हैं। मैं अक्सर कहता हूं कि इस धरती पर मौजूद 8 अरब लोगों में मैं सबसे खुशनसीब 10 लोगों में शामिल हू?। लोग मेरी सफलता को मेहनत व काबिलियत से जोड़ते हैं, लेकिन मैं इसे जन्मजात मौका मानता हूं। अगर मेरे पिता प्लम्बर होते, तो शायद मैं यहां नहीं होता। मेरे पिता हॉवर्ड बफेट स्टॉकब्रोकर थे और उन्हीं की वजह से मुझे कम उम्र में निवेश से लगाव हो गया। 11 साल की उम्र में मैंने 'सिटीज सर्विस' के तीन शेयर खरीदे थे। यह असाधारण बुद्धिमत्ता नहीं थी, बल्कि सही माहौल और अवसर मिलने का सुखद संयोग था। अमेरिका में जन्म, श्वेत पुरुष होना और वित्तीय समझ वाले परिवार से होना विशेषाधिकार था। साथ ही इस 'जन्मजात मौके' ने मुझे वह आत्मविश्वास दिया जिससे मैं 32 साल की उम्र में पहला मिलियन डॉलर यानी 10 लाख डॉलर कमा सका और आगे चलकर बर्कशायर हैथवे को शीर्ष तक पहुंचा पाया। मैं मानता हूं कि कोई कहां पैदा हुआ, परिवार का बैकग्राउंड क्या है, मौके कितने मिले- ये बातें कई बार टैलेंट से ज्यादा असर डालती हैं। मैंने जितनी दौलत कमाई, उससे भी ज्यादा समय तक उसे बढ़ाने का मौका पाया। अब उम्र के असर से याददाश्त कमजोर पड़ रही है, लेकिन निवेश का आनंद आज भी बरकरार है। पिछले साल बर्कशायर के सीईओ का पद ग्रेग एबेल को सौंपने के बावजूद दिल आज भी काम में ही धड़कता है। पर असली मजा सिर्फ दौलत कमाने में नहीं, उसे बांटने में है। 'द गिविंग प्लेज' के तहत 99फीसदी संपत्ति दान करने के वादे के साथ मैंने गेट्स फाउंडेशन को 4.52 करोड़ रुपए दिए। पर अब मेरी राहें अलग हैं, क्योंकि इंसानों की पहचान में कोई 100फीसदी सही नहीं होता... गलतियां सभी से होती हैं। मुझसे भी हुईं। अब मेरी सोच स्पष्ट है। संपत्ति का बड़ा हिस्सा दिवंगत पत्नी के नाम पर बने सुसान थॉम्पसन बफेट फाउंडेशन और अपने बच्चों द्वारा संचालित फाउंडेशन्स को दे रहा हूं। उम्र लगातार बढ़ रही है और बच्चे भी उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां फैसले टालना ठीक नहीं। इसलिए मैंने परोपकारी योजना की रफ्तार बढ़ा दी है। मेरी इच्छा है कि 31 दिसंबर 2034 तक मेरी पूरी संपत्ति समाज हित में सही संस्थाओं तक पहुंच जाए। पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि मेरी सफलता में सही समय, सही मौके और किस्मत का बड़ा योगदान रहा है।- वॉरेन

इतिहास बोझ नहीं, बल्कि एक विरासत है

जब भी मैं मेहमानों को मुंबई के अंधेरी-कुर्ला रोड लेकर जाता हूं तो बताता हूं कि 1940 से 1980 के दशक तक यह इलाका बॉम्बे (अब मुंबई) के सबसे व्यस्त फिल्म निर्माण केंद्रों में से एक हुआ करता था। मोहन स्टूडियो में मुगल-ए-आजम, देवदास और बंदिनी जैसी महान फिल्में शूट हुई थीं। मुगल-ए-आजम के लिए के. आसिफ ने यहां लाहौर किले की तर्ज पर आइकनिक शीश महल का सेट बनवाया था। करीब 150 फीट बाई 80 फीट बाई 35 फीट का यह सेट बनाने में दो साल लगे, जिसमें फिरोजाबाद के

कारीगरों द्वारा तैयार बेल्जियम ग्लास के हजारों टुकड़े लगाए गए थे। 1950 के दशक के आखिर में बने इस सेट पर 15 लाख रुपए से अधिक खर्च हुए, जो उस समय बहुत बड़ी रकम थी। लेकिन जब मैं उन्हें यह विडंबना बताता हूं कि उस स्टूडियो में महिलाओं के लिए ढंग का वॉशरूम तक नहीं था, तो वे मेरी ओर संदेह से देखते हुए सोचते हैं कि ऐसा कैसे संभव है। वे हमेशा पूछते हैं कि जो स्टूडियो मैनेजमेंट सेट पर इतना खर्च कर सकता था, वह उन अभिनेत्रियों के लिए टॉयलेट क्यों नहीं बनवा सका, जिनके कारण थिएटरों में भीड़ उमड़ती थी। फिर मैं उनसे कहता हूं कि अभिनेत्री वहीदा रहमान के बारे में सर्च करो, जो बताती थीं कि वे शूटिंग के दौरान पानी पीने से बचती थीं। आशा पारेख ने भी एक बार कहा कि वह भाग्यशाली रहीं, जो लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान लगातार वॉशरूम जाने को टालती थीं, लेकिन उन्हें कभी किडनी की समस्या नहीं हुई। रेणुका शहाणे ने भी कहा था कि 1990 के दशक में भी फिल्म सेटों पर कई महिलाएं पानी पीने से बचती थीं, क्योंकि वहां वॉशरूम गंदे और इस्तेमाल लायक नहीं होते थे। सिनेमाई भव्यता और अभिनेत्रियों की इन कठिनाइयों के विरोधाभास को सुनने के बाद मेहमान पूछते हैं कि 'क्या हम वह स्टूडियो देख सकते हैं?' दुर्भाग्य से मैं उन्हें उस दौर की एक ईंट तक नहीं दिखा सकता। स्टूडियो गायब हो चुका है और उसकी जगह अब रिहायशी इमारतें हैं। मैं बात को यह कह कर खत्म करता हूं कि 'जब कोई स्टूडियो खत्म होता है तो उसके साथ भारतीय सिनेमा का एक पूरा चैप्टर समाप्त हो जाता है और इतिहास का एक हिस्सा भी भुला दिया जाता है।' मंगलवार को मेरे साथ वेस्ट शिकागो से आए मेहमान थे। उन्होंने तुरंत कहा, 'भगवान का शुक्र है कि इलिनॉय में लंबे समय से उपेक्षित पड़े 1913 में बने एक कमरे वाले स्कूल को आखिरकार सुधारा जा रहा है। अब वहां जिले के इंस्ट्रक्शनल कोच बैठेंगे, जो टीचिंग और लर्निंग में स्थानीय स्कूलों की मदद करेंगे।' यह स्कूल अब एक जीवंत एजुकेशनल रिसोर्स बनेगा, जिससे युवा शिक्षक समझ सकेंगे कि कभी अमेरिका में आम रहे एक कमरे वाले स्कूल वास्तव में कैसे दिखते थे। एक एकड़ से भी कम जमीन पर फैली यह इमारत अब महज इतिहास की किताबों में दर्ज होकर नहीं रह जाएगी, बल्कि भावी शिक्षकों को शिक्षण के विकास के बारे में बताती रहेगी। हाल ही में दिल्ली यात्रा के दौरान मेरी मुलाकात साउथ एक्सटेंशन के एक स्थानीय इतिहासकार से हुई। उन्होंने एक रोचक किस्सा सुनाया कि उनके इलाके का यह नाम कैसे पड़ा। उनके अनुसार इस कॉलोनी का नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इसे कनॉट प्लेस के आसपास ब्रिटिशों द्वारा बसाई गई नई दिल्ली के दक्षिणी एक्सटेंशन के तौर पर विकसित किया गया था। हालांकि इसका कोई आधिकारिक प्रमाण नहीं है, लेकिन कई लोगों का मानना है कि इसका नाम उसी भौगोलिक क्षेत्र से आया है, जहां कभी 'साउथ-एंड रोड' नामक सड़क हुआ करती थी। चूंकि बाद में उस सड़क का नाम पीलू मोदी रोड कर दिया गया तो इससे एक पेचीदा ऐतिहासिक डिस्कनेक्ट पैदा हो गया। आने वाली पीढ़ियां सोच सकती हैं कि क्यों किसी इलाके का नाम 'साउथ एक्सटेंशन' रखा गया होगा, जबकि जहां से इसका विस्तार शुरू हुआ, उसके आसपास मिलते-जुलते नाम की कोई जगह है ही नहीं।

ऐसे में इस नाम के पीछे का भौगोलिक तर्क कम स्पष्ट हो जाता है और पुराने नक्शों, ऐतिहासिक रिकॉर्ड या इस विषय पर किताबें लिखने वाले इतिहासकारों के बिना दिल्ली के शहरी विकास को समझ पाना मुश्किल हो जाता है। जब पुरानी इमारतें तोड़ी जाती हैं या ऐतिहासिक नाम गायब हो जाते हैं तो हम केवल ईंटें, सड़कें या लैंडमार्क्स ही नहीं खोते, बल्कि हमारे शहरों, संस्थाओं और पहचान के विकास को समझाने वाली कहानियों को भी मिटा देते हैं।फंडा यह है कि इतिहास कोई बोझ नहीं है, जिसे ढोना पड़े। यह एक विरासत है, जिसे भावी पीढ़ियों के लिए सहेज कर रखना चाहिए। एन. रघुरामन

आशाओं का अम्बर और मोह के धागे

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है। हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह।और गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है। पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है। इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है।

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे

लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकॉनोमी अथॉरिटी (एनटीईए) स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को सम्मिलित करने वाली पहली योजना के नाते एम्स्टर्डम का 'नाइट विजन' एतिहासिक दस्तावेज है। ये रात्रिकालीन संस्कृति से शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझेंः एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया। लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे। हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं है। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

परीक्षा में फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को

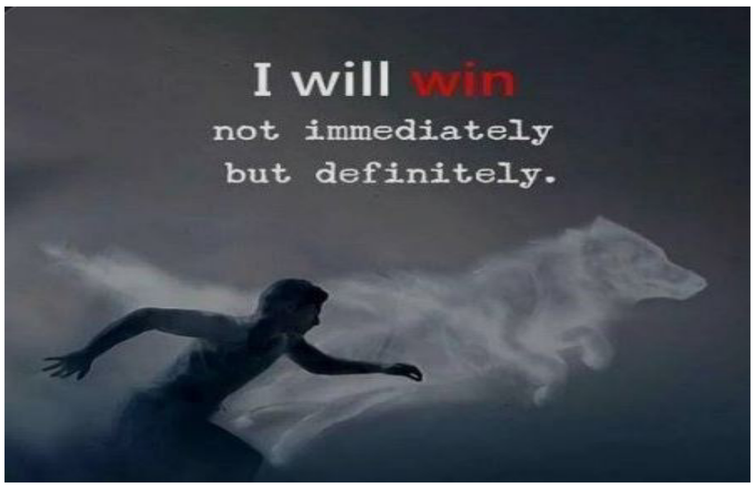

दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, डरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

जहां नैतिक कहानियां होगीं, वहां 'इंटेग्रिटी फी?' की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की हिम्मत नहीं की। यह भांपकर कि हम छिपे हुए हैं, नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया। अंकल ने भी हमारा अभिवादन स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक नदी किनारे पेड़ काट रहा था। उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर पानी में गिर गई। वह बहुत परेशान था, क्योंकि वही उसकी आजीविका का एकमात्र साधन था। उसकी निराशा भरी पुकार सुनकर एक देवी प्रकट हुईं और पूछा कि उसे क्या चाहिए। उसने कोई दौलत मांगने के बजाय बताया कि उसने अपनी कुल्हाड़ी खो दी है। उसकी ईमानदारी देखकर देवी ने मदद की पेशकश की। सबसे पहले उसे एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने पूछा, क्या यह तुम्हारी है? लकड़हारे ने कुल्हाड़ी की सुंदरता और कीमत के बावजूद जवाब दिया, नहीं। दूसरी बार उसे चांदी की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने वही सवाल पूछा। लकड़हारे ने अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए फिर से मना कर दिया। देवी बेहद प्रभावित हुईं और आखिरकार लकड़हारे को उसकी असली लोहे की कुल्हाड़ी वापस लौटा दी, जिसे लकड़हारे ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेकिन देवी ने उसे सोने और चांदी की दोनों कुल्हाड़ियां देकर भी पुरस्कृत किया। लकड़हारा न केवल धन-संपत्ति, बल्कि ईमानदारी के गुण से भी समृद्ध होकर घर लौटा। नाना ने उन जामुनों के बारे में हमसे कभी बात नहीं की। लेकिन वो कहानी आज भी हमारे जेहन में ताजा है। आज आप किसी भी बच्चे के पास जाकर कहें, 'मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं' और शुरू करें- 'एक था राजा और एक थी रानी' तो वो तुरंत कहेगा, 'दोनों मर गए, खतम कहानी', और भाग जाएगा। लेकिन हमारे जमाने में रोज ही कोई न कोई कहानी सुनाई जाती थी और उसकी शुरुआत हमेशा उसी पहले वाक्य से होती थी। लेकिन दूसरा वाक्य हमेशा ही 'पीछे की बदल गई पूरी कहानी' हुआ करता था।

पाकिस्तान में पेट्रोल 4.93 और डीजल 7.15 रुपया महंगा,नई कीमतें 22 जुलाई से लागू

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सरकार ने पेट्रोल के दाम में 4.93 रुपया प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) में 7.15 रुपया प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। नई दरें 22 जुलाई से लागू हो गई हैं। दामों में इस बदलाव के बाद अब बाजार में पेट्रोल की नई कीमत 320.73 रुपया लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 367.21 रुपया प्रति लीटर हो गई है। नोटः रु- भारतीय रुपया, पाकिस्तान में भारतीय रुपए की वेल्यू 2.88 पाकिस्तानी रुपया के बराबर है। अप्रैल के रिकॉर्ड हाई से कम हैं मौजूदा दरें-ईंधन की मौजूदा कीमतें इस साल अप्रैल में बने अपने ऑल-टाइम हाई से अब भी काफी नीचे हैंः-डीजलः 28 फरवरी को अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने के बाद डीजल 281 रुपया लीटर से बढ़ना शुरू हुआ था और 3 अप्रैल को यह 520.35 रुपया के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। पेट्रोलः मार्च के पहले हफ्ते में पेट्रोल 266 रुपया प्रति लीटर पर था, जो 3 अप्रैल को उछलकर 458.41 रुपया लीटर के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। अब हफ्ते की जगह रोजाना तय हो रहे पेट्रोल डीजल के दाम- अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में आ रहे तेज उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने बड़ा नीतिगत बदलाव किया है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने घोषणा की है कि अब देश में फ्यूल रेट्स हफ्ते के बजाय रोजाना आधार पर तय किए जाएंगे। डीलर्स एसोसिएशन ने फैसले का विरोध किया-सरकार के रोजाना रेट तय करने के फैसले का ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने कड़ा विरोध किया है। एसोसिएशन ने इस व्यवस्था को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ इसी हफ्ते विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। मिडिल क्लास और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर-पेट्रोल की कीमतों में बदलाव का सीधा असर देश के मिडिल और लोअर-मिडिल क्लास पर पड़ता है, क्योंकि इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से प्राइवेट गाड़ियों, छोटी कारों, ऑटो रिक्शा और टू-व्हीलर्स में होता है। वहीं, डीजल महंगा होने से पूरे देश में महंगाई बढ़ने का खतरा है, क्योंकि इसका इस्तेमाल भारी कमर्शियल वाहनों (ट्रकों-बसों), पावर प्लांट्स और बड़े जनरेटरों में होता है। पाकिस्तान में हर महीने करीब 7 से 8 लाख टन पेट्रोल और डीजल की भारी-भरकम बिक्री होती है, जबकि केरोसिन (मिट्टी के तेल) की मासिक मांग सिर्फ 10 हजार टन ही है। यही वजह है कि पेट्रोल-डीजल सरकार के लिए रेवेन्यू जुटाने का सबसे बड़ा जरिया बने हुए हैं।

उद्धव सेना पहुंची सुप्रीम कोर्ट, 6 सांसदों के शिंदे गुट में विलय को चुनौती

नयी दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलय को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर के कार्यालय और अन्य पक्षों से जवाब मांगा है। हालांकि अदालत ने फिलहाल किसी तरह की अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने शिवसेना (यूबीटी) नेता अरविंद गणपत सावंत की याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया। बेंच ने कहा, 'नोटिस जारी किया जाता है' और मामले को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 18 जुलाई को मानसून सत्र शुरू होने से पहले शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे गुट में विलय को मंजूरी दी थी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद लोकसभा में शिंदे की शिवसेना के सांसदों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

जापान में राजा अब दूर के रिश्तेदारों को गोद लेंगे,सिर्फ 3 उत्तराधिकारी बचे तो नियम बदला, महिला को सम्राट बनने का अधिकार नहीं मिला

टोक्यो। जापान की संसद ने 17 जुलाई को शाही परिवार के उत्तराधिकार से जुड़े कानून में बड़ा बदलाव किया। नए कानून के तहत अब शाही परिवार 15 साल या उससे अधिक उम्र के दूर के पुरुष रिश्तेदारों को गोद लेकर दोबारा शाही परिवार में शामिल कर सकेगा। इसके अलावा, अब शाही परिवार की महिलाएं किसी आम नागरिक से शादी करने के बाद भी अपना शाही दर्जा और आधिकारिक जिम्मेदारियां नहीं खोएंगी। हालांकि, सबसे अहम नियम नहीं बदला गया। जापान में अब भी सिर्फ पुरुष ही सम्राट बन सकते हैं। यानी सम्राट नारुहितो की इकलौती बेटी राजकुमारी आइको भविष्य में भी सिंहासन की उत्तराधिकारी नहीं बन सकेंगी। शाही परिवार में नियम बदलने की जरूरत क्यों पड़ी- जापान का शाही परिवार दुनिया का सबसे पुराना लगातार चला आ रहा राजवंश माना जाता है, लेकिन आज वह उत्तराधिकार के गंभीर संकट से जूझ रहा है। मौजूदा सम्राट की सिर्फ एक बेटी है। वह उत्तराधिकारी नहीं बन सकती, क्योंकि कानून सिर्फ पुरुषों को ही सिंहासन का अधिकार देता है। शाही परिवार में सिंहासन के सिर्फ 3 उत्तराधिकारी हैं। उत्तराधिकार की कतार में पहले नंबर पर सम्राट के छोटे भाई प्रिंस फुमिहितो, दूसरे नंबर पर उनके 19 वर्षीय बेटे प्रिंस हिसाहितो और तीसरे नंबर पर 90 वर्षीय प्रिंस हिताची हैं। अगर भविष्य में पुरुष उत्तराधिकारी नहीं बढ़े, तो शाही परिवार के सामने उत्तराधिकार का संकट और गहरा सकता है। सरकार के सामने दो ही रास्ते थे-महिलाओं को भी सम्राट बनने की अनुमति दी जाए। दूसरे विश्व युद्ध के बाद शाही परिवार से अलग किए गए पुराने शाही वंश के पुरुषों को वापस लाया जाए। सरकार ने दूसरा रास्ता क्यों चुना- जापान में महिला को सम्राट बनाने का मुद्दा कई वर्षों से चर्चा में है। जनमत सर्वेक्षणों में अधिकांश जापानी नागरिक महिला सम्राट के पक्ष में रहे हैं। 2024 में क्योडो न्यूज के सर्वे में 90फीसदी जापानी नागरिकों ने महिला सम्राट का समर्थन किया था। लेकिन सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के परंपरावादी नेता इसका विरोध करते रहे हैं। इन नेताओं का तर्क है कि जापान का शाही परिवार करीब 2,000 वर्षों से पुरुष वंश के आधार पर चला आ रहा है। उनके अनुसार, अगर किसी महिला को सम्राट बनाया गया और उसके बच्चे भविष्य में सिंहासन पर बैठे, तो शाही परिवार की पितृवंश परंपरा टूट जाएगी। उनका मानना है कि यही परंपरा जापान की राजशाही की पहचान है और इसे नहीं बदला जाना चाहिए। इसी वजह से सरकार ने महिला सम्राट या महिलाओं की संतान को उत्तराधिकारी बनाने का कानून बदलने के बजाय दूसरा रास्ता चुना। 11 पूर्व शाही शाखाएं क्या हैं, जिनके बच्चे गोद लिए जाएंगे सम्राट को उत्तराधिकारी चुनने के लिए गोद लेने का अधिकार मिला है। लेकिन वे किसी भी बच्चे को गोद नहीं ले सकते। वे केवल 11 पूर्व शाही शाखाओं के वंशज के पुरुषों को ही गोद ले सकेंगे। दरअसल, दूसरे विश्व युद्ध से पहले जापान के शाही परिवार में सिर्फ मुख्य राजपरिवार ही नहीं था, बल्कि उससे जुड़ी 11 अलग-अलग शाही शाखाएं भी थीं। इन शाखाओं के सदस्य भी सम्राट के पुरुष वंशज थे और जरूरत पड़ने पर सिंहासन के उत्तराधिकारी बन सकते थे। साल 1947 में, दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिकी कब्जे वाली प्रशासनिक व्यवस्था और जापानी सरकार ने शाही परिवार का आकार छोटा करने का फैसला किया। इसके तहत इन 11 शाखाओं के 51 सदस्यों से शाही दर्जा वापस ले लिया गया। वे आम नागरिक बन गए और उनके परिवारों का शाही परिवार से कानूनी रिश्ता खत्म हो गया। नियम बदलने के बाद शाही परिवार में पुरुष सदस्यों की संख्या लगातार घटती गई। दूसरी ओर, शाही परिवार की महिलाएं जब आम नागरिकों से शादी करती थीं, तो कानून के मुताबिक उन्हें भी शाही परिवार छोड़ना पड़ता था। इससे शाही परिवार छोटा होता चला गया और उत्तराधिकार का संकट गहराने लगा।इसी वजह से जापानी सरकार ने करीब 79 साल बाद नियमों में बदलाव किया है। अब इन 11 पूर्व शाही शाखाओं के 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र के पुरुष वंशजों को कानूनी प्रक्रिया के जरिए गोद लेकर फिर से शाही परिवार में शामिल किया जा सकेगा। महिलाओं का आम नागरिक से शादी करने पर शाही दर्जा नहीं छिनेगा-नए कानून के तहत अब शाही परिवार की महिला सदस्य अगर किसी आम नागरिक से शादी करती हैं, तब भी वे अपना शाही दर्जा और आधिकारिक जिम्मेदारियां नहीं खोएंगी। यह पहले के नियम से बिल्कुल अलग है। पुराने कानून के तहत आम नागरिक से शादी करने वाली महिला को शाही परिवार छोड़ना पड़ता था। नए कानून के पीछे सबसे बड़ा कारण राजकुमारी माको का मामला माना जा रहा है। सम्राट नारुहितो की भतीजी माको ने 2021 में अपने कॉलेज के साथी केई कोमुरो से शादी की थी। दोनों की मुलाकात 2013 में टोक्यो की इंटरनेशनल क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी में हुई थी। दोनों ने गुपचुप सगाई कर ली थी, जिसके बाद पूरे जापान में इस रिश्ते को लेकर काफी विवाद हुआ। अक्टूबर 2021 में दोनों की शादी बेहद सादगी से हुई। परंपरा के मुताबिक होने वाला जुलूस और भव्य समारोह भी नहीं हुआ। शादी के बाद कानून के तहत माको को अपना शाही दर्जा छोड़ना पड़ा और वे अपने पति के साथ न्यूयॉर्क चली गईं, जहां उनके पति वकील हैं। माको ने शाही परिवार छोड़ने पर मिलने वाली करीब 10 लाख पाउंड (करीब 11 करोड़ रुपए) की सरकारी राशि भी लेने से इनकार कर दिया था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऐसा करने वाली वे शाही परिवार की पहली सदस्य थीं। जापान की सम्राट बन चुकी हैं 8 महिलाएं जापान के इतिहास में अब तक 8 महिलाएं सम्राट (महारानी) बन चुकी हैं। हालांकि, इनमें से कोई भी अपने बच्चों को उत्तराधिकारी नहीं बना सकी। वे केवल तब सिंहासन पर बैठीं, जब कोई उपयुक्त पुरुष उत्तराधिकारी उपलब्ध नहीं था या वह बहुत छोटा था। इसलिए उन्हें अक्सर अस्थायी शासक माना गया और बाद में सत्ता फिर किसी पुरुष उत्तराधिकारी को सौंप दी गई। जापान की आखिरी महिला शासक महारानी गोसाकुरामाची थीं। उन्होंने 1762 से 1770 तक शासन किया। उनके बाद से पिछले 250 से अधिक साल में जापान में कोई महिला सम्राट नहीं बनी। फिर महिलाओं के लिए रास्ता क्यों बंद हो गया?पहले जापान में कानून में यह साफ नहीं लिखा था कि केवल पुरुष ही सम्राट बन सकते हैं। 19वीं सदी के आखिर में जापान ने खुद को एक आधुनिक राष्ट्र बनाने की शुरुआत की। जापान पश्चिमी देशों की तरह आधुनिक सेना, प्रशासन और कानूनी व्यवस्था विकसित करना चाहता था। इसी प्रक्रिया में 1889 में मेइजी संविधान लागू किया गया, जिसने जापान में संवैधानिक राजतंत्र की नींव रखी और सम्राट की शक्तियों तथा शाही परिवार से जुड़े नियम तय किए। इसमें यह व्यवस्था की गई कि सिंहासन पर केवल पुरुष वंशज ही बैठेंगे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद 1947 में नया शाही परिवार कानून बनाया गया। इसमें भी पुरुष उत्तराधिकार की व्यवस्था को बरकरार रखा गया। यही कानून आज भी लागू है। इसलिए आज भी जापान में महिला सम्राट बनने या महिला की संतान के उत्तराधिकारी बनने की अनुमति नहीं है।

हादसे का शिकार होते बचा एयर इंडिया का विमान, पैसेंजर्स ने बताया- हवा में डगमगाने लगा था प्लेन, दिल्ली की जगह हरियाणा पहुंच गया था

भुवनेश्वर। ओडिशा के भुवनेश्वर से दिल्ली आ रहा एयर इंडिया का एक विमान मंगलवार को हादसे का शिकार होते बच गया। पैंसेंजर्स ने बताया कि एयर इंडिया की भुवनेश्वर-दिल्ली फ्लाइट नं. IX1058 ने दोपहर 3.30 बजे उड़ान भरी थी। लेकिन करीब 30 मिनट बाद ही प्लेन हवा में डगमगाने लगा। इस दौरान फ्लाइट में बैठे 150 से ज्यादा पैसेंजर डर गए। पैसेंजर्स ने यह भी आरोप लगाया कि पायलट ने मुश्किल से प्लेन को संभाला। उसने प्लेन की स्पीड बढ़ा दी। फ्लाइट दिल्ली की बजाय हरियाणा के चरखी दादरी की तरफ चली गई थी। बाद में उसे घुमाकर वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर लाया गया। फ्लाइट आधे घंटे पहले ही दिल्ली पहुंच गई थी। हालांकि, एयर इंडिया की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। आधे घंटे पहले ही पहुंच गई थी दिल्ली-हरियाणा के कुरुक्षेत्र में रहने वाले स्पर्श सिंगल ने बताया कि वे प्राइवेट बैंक में सेल्समैन हैं। वे 14 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ की यात्रा में शामिल होने के लिए पुरी गए थे। यहां भगवान के दर्शन और यात्रा में शामिल होने के बाद आज मंगलवार को वापस आ रहे थे। दोपहर करीब साढ़े 3 बजे उनकी भुवनेश्वर से दिल्ली की फ्लाइट (IX1058) थी। शुरुआत में सबकुछ ठीकठाक रहा, लेकिन करीब आधे घंटे बाद फ्लाइट में हलचल होने लगी। प्लेन जोर से हिलने लगा। प्लेन में पैसेंजर्स की चीख-पुकार मच गई थी। वहीं, एक महिला तो बेहोश हो गई थी। इसी दौरान पायलट ने प्लेन संभालने के लिए उसकी स्पीड बढ़ा दी थी। इसी के चलते फ्लाइट आधे घंटे पहले ही दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हो गई थी। हम लोगों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर अधिकारियों से बात करने की कोशिश की, लेकिन हमें कोई जवाब नहीं मिला।

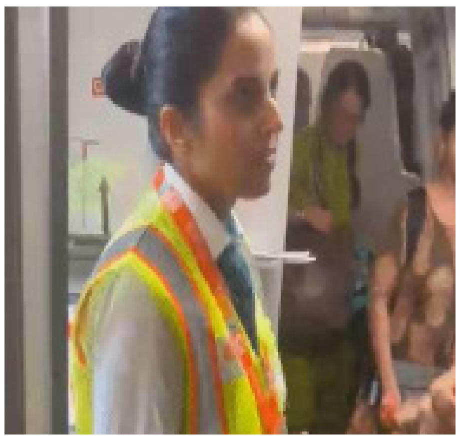

भारत के स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर वर्ल्ड मीडिया, न्यूयोर्क टाइम्स-प्रदर्शनकारियों का खून बहा लेकिन झुके नहीं, गार्डियन बोला- छात्र पीछे हटने को तैयार नहीं

नयी दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए छात्र आंदोलन की गूंज विदेशी मीडिया तक पहुंची है। न्यूयॉर्क टाइम्स, द गार्डियन, बीबीसी समेत कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने इसे प्रमुखता से कवर किया है। सोमवार को सीजेपी ने जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई, आंसू गैस के गोले छोड़े गए और पथराव भी हुआ। दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा कि खून बहा, लाठियां चलीं, आंसू गैस के गोले दागे गए, लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे नहीं हटे। संसद मार्च के अगले ही दिन हजारों छात्र फिर जंतर-मंतर पहुंच गए और सरकार से जवाब मांगने लगे। अखबार के मुताबिक, छात्र शिक्षा व्यवस्था और भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार अब भी उनकी मांगों पर चुप है। रिपोर्ट में आंदोलनकारी संगठनों के हवाले से 150 प्रदर्शनकारियों के घायल होने का दावा किया गया है। वहीं, दिल्ली पुलिस का कहना है कि 118 पुलिसकर्मी घायल हुए और करीब 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। द गार्डियनः- प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं-ब्रिटेन के अखबार गार्डियन ने लिखा कि पुलिस की कार्रवाई भी छात्र आंदोलन को रोक नहीं सकी। सोमवार की झड़प के अगले दिन हजारों प्रदर्शनकारी फिर जंतर-मंतर पहुंच गए और साफ कर दिया कि वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। अखबार ने लिखा कि आंदोलन अब सिर्फ शिक्षा सुधार की मांग तक सीमित नहीं रहा। बड़ी संख्या में युवा सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए भी सड़कों पर उतर रहे हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि उसने हालात को काबू में रखने के लिए कार्रवाई की। ब्रिटेन के अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने अपनी लीड रिपोर्ट में लिखा कि छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास तक मार्च कर रहे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दोनों को बाद में रिहा कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं ने सोमवार को छात्र आंदोलन पर हुई लाठीचार्ज और आंसू गैस की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, 'मोदी जी, जितना दबाव बनाना है बना लीजिए, लेकिन छात्रों के न्याय की लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है।'फाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा कि सरकार की ओर से बातचीत के लिए पहुंचे एक मंत्री ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग खारिज कर दी। उनका कहना था कि राहुल गांधी का यह रुख लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। अल जजीराः आंदोलन पर मोदी की चुप्पी, राहुल का समर्थन-कतर के न्यूज चैनल अल जजीरा ने लिखा कि छात्र आंदोलन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, विपक्ष के नेता राहुल गांधी खुलकर प्रदर्शनकारियों के समर्थन में उतर आए। अल जजीरा ने एक्सपर्ट्स के हवाले से लिखा कि यह आंदोलन अब सिर्फ शिक्षा सुधार का मुद्दा नहीं रह गया है। इसने सरकार की जवाबदेही और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर नई बहस छेड़ दी है। बीबीसीः- 'पुलिस ने महिलाओं को भी नहीं बख्शा'-ब्रिटेन के टीवी बीबीसी ने लिखा कि पुलिस कार्रवाई में महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया। कई प्रदर्शनकारियों ने बीबीसी को बताया कि लाठीचार्ज के दौरान महिलाओं के साथ भी सख्ती की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस कार्रवाई के अगले दिन भी हजारों प्रदर्शनकारी फिर जंतर-मंतर पहुंचे और आंदोलन जारी रखा। पुलिस ने प्रदर्शन स्थल पर बना मंच और अस्थायी टेंट भी हटा दिए। बीबीसी ने राहुल गांधी के बयान का भी जिक्र किया। रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने छात्रों की मांगों का समर्थन किया, सरकार से जवाब मांगा और कांग्रेस सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकाला। डॉनः- छात्र आंदोलन से विपक्ष को मोदी सरकार को घेरने का मौका मिला- पाकिस्तान के अखबार डॉन ने लिखा कि छात्र आंदोलन ने विपक्ष को मोदी सरकार पर हमला बोलने का नया मौका दे दिया है। पुलिस कार्रवाई के बाद लगभग सभी प्रमुख विपक्षी दल प्रदर्शनकारियों के समर्थन में उतर आए। रिपोर्ट में कहा गया कि बड़ी संख्या में युवाओं के सड़कों पर उतरने और पुलिस कार्रवाई की तस्वीरें सामने आने के बाद आंदोलन को राजनीतिक समर्थन मिलने लगा। विश्लेषकों के हवाले से अखबार ने लिखा कि इससे विपक्ष को युवा वोटरों तक पहुंच बनाने का मौका मिल सकता है। हालांकि, इससे छात्रों के मूल मुद्दे राजनीतिक बहस में पीछे छूटने का खतरा भी है। डॉन ने राहुल गांधी के बयान का भी जिक्र किया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

शबाना आजमी को प्रोटेस्ट में आया था अस्थमा अटैक, छात्रों पर हुई बर्बरता देख भावुक नसीरुद्दीन शाह,कहा- जाहिल देश चलाए, तो चाहेगा पूरा देश जाहिल बने

मुंबई। बॉलीवुड के सीनियर एक्टर नसीरुद्दीन शाह प्रोटेस्ट के बीच बच्चों के साथ हुई मारपीट और बर्बरता देख भावुक हो गए हैं। उन्होंने कड़े शब्दों में सरकार की निंदा की और छात्रों को सपोर्ट दिया। एक्टर का कहना है कि अगर देश चलाने वाले जाहित हैं, तो वो यही चाहेंगे कि पूरा देश जाहिल ही बने। नसीरुद्दीन शाह ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने कहा-'आदाब, नमस्कार। मैं नसीरुद्दीन शाह दो बातें अर्ज करना चाहता हूं आप सब से। पहली बात तो यह है, कि अगर एक जाहिल इस मुल्क की रहनुमाई करे, तो उसका दिल यही चाहेगा कि पूरा मुल्क उसी की तरह जाहिल, नासमझ, नाकाम और बेरहम बने। अभिनय के दो अलग-अलग कोर्स राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और पूना फिल्म इंस्टीट्यूट में पूरे करने के बावजूद मैंने अभिनय के बारे में सबसे ज्यादा जो सीखा है, वह उन बच्चों से, उन तालिब-ए-इल्म से जिन्हें सिखाने की कोशिश मैंने की है।' आगे नसीरुद्दीन शाह ने कहा, मेरी पूरी हमदर्दी उनके साथ है। मैं उन्हें हजार-हजार हर सांस के साथ दुआएं देता हूं और हर टीचर्स डे पर उन्हें सलाम करता हूं। इस वक्त मेरा दिल भी भरा हुआ है और मैं गुस्से से खौल भी रहा हूं यह देखकर कि हमारे इन बच्चों के साथ किस तरह ज़ुल्म का बर्ताव किया जा रहा है उन गुंडों के हाथों, जो मुझे अमरीका के आईसीई एजेंट्स की याद दिलाते हैं, मुंह पर नकाब लगाए हुए, हाथ में डंडा लिए हुए। आखिर में नसीरुद्दीन शाह ने कहा, कभी अपने बच्चों के बारे में भी सोचा करो और यह भी सोचो कि तुम्हारा अंजाम तुम्हें भी एक दिन मिलेगा जरूर। इन सब बच्चों से मैं कहना चाहता हूं कि हिम्मत न हारें। बहुत से लोगों की हमदर्दी आपके साथ है, बहुत से लोग आपके साथ हैं। आप लड़ते रहें। मुझे हमारे मुल्क की युवा पीढ़ी से हमेशा उम्मीद रही है और अब वह उम्मीद और उजागर हो गई है। आप लोग अपनी लड़ाई लड़ते रहें, हम सब आपके साथ हैं। और इस मुल्क की हुकूमत को मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं, सब याद रखा जाएगा। प्रोटेस्ट में शामिल होने का था दावा-कुछ समय पहले नसीरुद्दीन शाह का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसके साथ दावा किया गया था कि एक्टर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट का हिस्सा बने हैं और जंतर मंतर पहुंचे हैं। हालांकि फैक्ट चैक करने पर सामने आया कि नसीरुद्दीन शाह और उनके बेटे का वो वीडियो पुराना है। शबाना आजमी प्रोटेस्ट में पहुंचीं, अस्थमा अटैक आया-20 जुलाई को सीनियर एक्ट्रेस शबाना आजमी, प्रकाश राज जैसे बड़े चेहरे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट में शामिल हुए थे। इस दौरान शबाना आजमी की तबीयत बिगड़ गई। अब एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया है कि आंसू गैस के गोले छोड़े जाने से उन्हें अस्थमा अटैक आया। उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई, लेकिन उनका पंप उनके पास था। पास की बिल्डिंग में ले जाकर उन्हें शुरुआत उपचार दिया गया। कुछ देर बाद तबीयत ठीक होने पर उन्होंने दोबारा प्रोटेस्ट जॉइन किया। बाकी कलाकारों के शामिल न होने पर शबाना का जवाब बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के न आने पर सवाल पूछा गया, तो शबाना ने कहा कि लोग सिर्फ फिल्मी सितारों की अनुपस्थिति पर बात करते हैं। कोई भी बड़े बिजनेसमैन या उद्योगपतियों के शामिल न होने पर सवाल नहीं उठाता। ऐसे सवाल पूछकर मुख्य मुद्दे को भटकाया जाता है और गैर-जरूरी विवाद खड़ा किया जाता है। दिलजीत दोसांझ बोले- छात्रों के साथ गलत हुआ दिलजीत दोसांझ ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा-'आज जो हुआ, बहुत गलत हुआ। छात्रों के साथ ऐसा बर्ताव नहीं होना चाहिए था। मैं अधिकारियों से अपील करता हूं कि वे छात्रों की मांगें सुनें। लोगों की आवाज ही भगवान की आवाज होती है। मुझे पहले भी कई बार 'एंटी-नेशनल' कहा गया है। अब भी शायद मुझे यही कहा जाएगा। किसान आंदोलन के बाद मुझे काफी विरोध और कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिनके बारे में मैं खुलकर बात भी नहीं कर सकता। बाकी सब भगवान देख रहे हैं। भगवान सबका भला करें।' कंगना ने आंदोलन को बताया दबाव बनाने की कोशिश सोमवार को कंगना रनोट ने कहा था कि मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करने के लिए संसद सही जगह है, न कि सड़कें। उन्होंने कहा कि जनता ने एक सरकार चुनी है और सरकार चलाने का फैसला उसी का होना चाहिए। कंगना ने कहा की ये सब जंतर-मंतर पर हुड़दंग कर रहे हैं, उत्पात मचा रहे हैं। जिस तरह से आंदोलन चल रहा है वो ठीक नहीं है। प्रदर्शन के जरिए सरकार को यह तय करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि किसे पद पर रखना है और किसे हटाना है। हेमा मालिनी बोलीं- छात्रों को गुमराह न करें बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने भी न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में इस प्रदर्शन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आंदोलन से कुछ हासिल नहीं होने वाला है। मोदी सरकार देश के युवाओं और शिक्षा व्यवस्था के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। हेमा मालिनी ने कहा कि इस मामले को बातचीत से हल किया जाना चाहिए और इसमें शामिल छात्रों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इन बड़े सेलेब्रिटीज ने भी किया आंदोलन का समर्थन जंतर-मंतर पर चल रहे इस आंदोलन में शबाना आजमी और प्रकाश राज के अलावा कुणाल कामरा और स्वरा भास्कर भी जमीनी स्तर पर शामिल हुए हैं। वहीं सोनी राजदान, जीनत अमान, अभय देओल, नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, ओमी वैद्य और सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया के जरिए इस मुहिम का समर्थन किया है। गीतकार जावेद अख्तर ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला खत लिखकर इस मामले पर बातचीत शुरू करने की मांग की है। इनके अलावा विशाल ददलानी, दीया मिर्जा और फिल्म मेकर ओनिर ने भी प्रदर्शनकारियों के प्रति एकजुटता जताई है।

आमिर के सौतेले भाई ने एक्ट्रेस-पत्नी को पीटा, ईवा ग्रोवर बोलीं- शादी के तीसरे दिन इंटीमेट होते हुए मारा था

मुंबई। पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस ईवा ग्रोवर ने आमिर खान के सौतेले भाई हैदर अली खान से शादी की थी। हालांकि, शादी के बाद घरेलु हिंसा के चलते ईवा ने तलाक ले लिया। अब सालों बाद एक्ट्रेस ने दावा किया है कि हैदर को सिजोफ्रेनिया था, वो उनके साथ मारपीट करते थे। एक्ट्रेस ने ये भी दावा किया है कि आमिर खान नहीं चाहते थे कि उनकी सौतेले भाई हैदर से शादी हो। उन्होंने ये भी कहा कि आमिर, सौतेले भाई और परिवार से दूरी बनाए रखते हैं। एक्ट्रेस ईवा ग्रोवर ने हाल ही में सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में शादी टूटने पर कहा, 'बहुत उतार-चढ़ाव आए, बहुत वायलेंस हुआ, बहुत कोशिश की शादी संभालने की, लेकिन मैं नहीं संभाल पाई। मैं नहीं बर्दाश्त कर पाई। बच्चा भी पैदा किया। मुझे पहले ही पीछे हट जाना था। मैंने सोचा बच्चा होगा तो सब ठीक हो जाएगा, लेकिन हालात और बिगड़ गए। जैसे ही बच्ची पैदा हुई, वैसे ही तलाक फाइल करवा दिया गया और मुझे घर भेज दिया गया।' एक्ट्रेस ने बताया है कि उस समय वो टीवी शो वक्त बताएगा कौन अपना कौन पराया की शूटिंग कर रही थीं। सेट पर लोगों ने उनके शरीर में चोटों के निशान देखे और उनकी तलाक लेने में मदद की। शादी के तीसरे दिन ही की गई मारपीट-ईवा ने बताया है कि शादी के तीसरे दिन ही हैदर ने उन पर हाथ उठाया था। एक्ट्रेस ने इस पर कहा, 'उन्हें सिजोफ्रेनिया था, तब मैं इसका मतलब ठीक से जानती नहीं थी। शादी के तीसरे दिन पता नहीं उन्हें क्या हुआ कि उन्होंने मुझे मारना शुरू कर दिया, फिजिकली अब्यूस करना शुरू कर दिया। तब तो मुझे नहीं समझ आया कि ऐसा क्यों हुआ।' आगे एक्ट्रेस ने बताया कि ये घटना अचानक तब हुई जब वो इंटीमेट हो रही थीं। एक्ट्रेस ने बताया, 'उन्हें पहले से सिजोफ्रेनिया था, लेकिन कतर एयरलाइन की नौकरी छोड़ने के बाद वो और फ्रस्टेटेड रहने लगे। उन्हें पीटने से खुशी मिलती थी। मुझे लगता था मुझ में कोई कमी है। वो मुझ पर शक करते थे कि मेरा अफेयर ड्राइवर और सेट पर मेकअप आर्टिस्ट के साथ है। तब मैं बहुत बड़े-बड़े शोज कर रही थी।' ईवा ग्रोवर ने बताया है कि आमिर खान के पिता ताहिर अली खान ने शहनाज खान से दूसरी शादी की थी। शहनाज पहले से तलाकशुदा थीं, जिससे उन्हें दो बच्चे हैदर और नाजलीन थे।

बॉयफ्रेंड की एक्स गर्लफ्रेंड से इनसिक्योर हूं,जब भी उसकी बात होती है, मेरा मूड खराब हो जाता है, मैं क्या करूं

नोएडा। सवाल- मेरी उम्र 27 साल है। मेरा बॉयफ्रेंड और मैं करीब 6 महीने से साथ हैं। वह अपने पुराने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात कर लेता है। कभी-कभी दोस्तों के बीच पुराने कॉलेज के दिनों की बातें बताता है, जिसमें उसकी एक्स का जिक्र भी आ जाता है। वह इसे बिल्कुल सामान्य तरीके से कहता है, लेकिन पता नहीं क्यों, मुझे बहुत बुरा लगता है। उसके बाद मेरा मूड खराब हो जाता है और मैं उससे दूरी बनाने लगती हूं। मुझे पता है कि ये उसका पास्ट है और मैं उसका प्रेजेंट हूं। पास्ट को बदल नहीं सकते, फिर भी मैं उसे स्वीकार नहीं कर पा रही हूं। मैं क्या करूं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- आपकी परेशानी बहुत सामान्य है। बहुत से लोग अपने पार्टनर के अतीत के बारे में सुनकर असहज महसूस करते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि आप असुरक्षित, पजेसिव या गलत हैं। अक्सर ऐसी स्थिति में असली समस्या पार्टनर का पास्ट नहीं, बल्कि उस पास्ट से जुड़ी हमारी अपनी भावनाएं होती हैं। रिट्रोएक्टिव जेलसी-जब आपका बॉयफ्रेंड अपनी एक्स का जिक्र करता है, तब आपके मन में अनजाने में कुछ सवाल उठ सकते हैं- 'क्या वह उसे अभी भी याद करता है?' 'क्या मैं उससे बेहतर हूं?' 'अगर वह वापस आ गई तो?' 'क्या मैं उसके लिए उतनी खास हूं?' ये विचार कुछ सेकेंड में आते हैं और हमारे मूड को प्रभावित कर देते हैं। मनोविज्ञान में इसे 'रिट्रोएक्टिव जेलसी' यानी पार्टनर के अतीत से जुड़ी ईर्ष्या या असुरक्षा। 'रिट्रोएक्टिव जेलसी' का पार्टनर के वर्तमान व्यवहार से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन अच्छी बात यह है कि इस भावना को समझा और संभाला जा सकता है। हर इंसान का है एक अतीत-किसी भी रिश्ते में यह स्वीकार करना जरूरी है कि आपका पार्टनर आपसे मिलने से पहले भी एक पूरी जिंदगी जी चुका है। उसके दोस्त रहे होंगे, यादें रही होंगी, कुछ अच्छे-बुरे अनुभव रहे होंगे और शायद कुछ पुराने रिश्ते भी। ये सभी अनुभव मिलकर उसे वह इंसान बनाते हैं, जिससे आज आप प्यार करती हैं। इसलिए असली सवाल ये नहीं है कि उसके पास्ट में क्या था। असली सवाल ये है कि- उसके वर्तमान में क्या है? आज वह आपके साथ कैसा व्यवहार करता है? आपको कितनी अहमियत देता है? इस रिश्ते के लिए कितना कमिटेड है? जब हम किसी के अतीत को मिटाने की कोशिश छोड़कर उसके वर्तमान को देखने लगते हैं, तब रिश्ते में ज्यादा भरोसा और सहजता महसूस होती है। हर इंसान का एक अतीत होता है। पार्टनर के अतीत को मिटाया नहीं जा सकता। ऐसा करने की जरूरत भी नहीं है। जरूरत अतीत को छोड़कर वर्तमान में जीने और भविष्य की ओर देखने की है। अतीत कब बन जाता है समस्या-अतीत समस्या तभी बनता है, जब इंसान उससे पूरी तरह बाहर न निकल पाया हो और उसका एक पांव वहीं पर अटका

जारूरत है, जैसेकि-1-क्या वह अभी भी एक्स को मिस करता है? 2-क्या मैं अपनी तुलना उसकी एक्स से करती हूं? 3-क्या मुझे ठुकराए जाने का डर है? 4-क्या मुझे लगता है कि मैं अच्छी पार्टनर हूं? 5-क्या उसके पास्ट से मुझे असुरक्षा होती है? 6-क्या मैं पुराने रिश्ते के बारे में बहुत ज्यादा सोचती हूं? 7-क्या मैं एक्स के बारे में ज्यादा जानना चाहती हूं? 8-क्या मैं खुद को बेहतर साबित करना चाहती हूं? 9-क्या मुझे अपनी जगह खो देने का डर है? 10-क्या एक्स के जिक्र से मेरा कॉन्फिडेंस कम होता है? 11-अगर कोई एक्स न होती तो क्या मैं सेफ रहती ? 12-क्या मुझे रिश्ता टूट जाने का डर है? 13-क्या मेरा कोई पुराना अनुभव इस डर को बढ़ा रहा है? खुद से ये सवाल पूछना इसलिए जरूरी है क्योंकि तभी आप सही कदम उठा सकती हैं। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि मन में आ रहे इन विचारों को कैसे हैंडल करें। मनोवैज्ञानिक टूल-1 थॉट चेकिंग (अपने विचारों को परखना) जब भी एक्स का जिक्र सुनकर मूड खराब हो तो अपने मन में चल रहे विचार को पकड़ने की कोशिश करें।

एक उदाहरण-घटनाः उसने कॉलेज की एक कहानी सुनाई, जिसमें एक्स का जिक्र था। तुरंत आया विचारः 'क्या वह अभी भी उसे याद करता है।' अब खुद से पूछेंः-क्या इसके पक्ष में कोई सबूत है? क्या इसके खिलाफ कोई सबूत है? क्या इस जिक्र का कोई दूसरा अर्थ भी हो सकता है? अक्सर पता चलता है कि वह केवल अपने जीवन का एक पुराना अनुभव साझा कर रहा था, न कि किसी पुराने रिश्ते को दोबारा जी रहा था। मनोवैज्ञानिक टूल - 2 कंपैरिजन न करने की टेकनीक जब भी हम किसी दूसरे से अपनी तुलना करते हैं तो हमारा आत्मविश्वास कमजोर ही होता है। इसलिए ये बात हमेशा याद रखें- आप उसके जीवन में किसी की जगह लेने नहीं आई हैं।

आपका रिश्ता एक नई और अलग कहानी है। जब भी आपके मन में कंपैरिजन शुरू हो तो तुरंत खुद को याद दिलाएं और खुद से कहें- मैं उसकी एक्स से कोई मुकाबला नहीं कर रही हूं। वो उसका पास्ट थी, मैं प्रेजेंट हूं। दोनों बिल्कुल अलग बातें हैं।' मनोवैज्ञानिक टूल-3-अपनी भावनाओं को नाम दें-साइकोलॉजी पर हुई तमाम रिसर्च बताती हैं कि जब भी हम अपनी भावनाओं को सही नाम देते हैं, तो उसका असर कम होता है। नाम देने का अर्थ है, उसे ठीक से आइडेंटीफाई करना, कनफ्यूजन दूर करना। इसलिए अपनी फीलिंग्स को ठीक-ठीक पहचानने की कोशिश करिए और उसे नाम दीजिए। जैसेकि- मैं अभी जलन महसूस कर रही हूं। मैं असुरक्षित महसूस कर रही हूं। मुझे तुलना का डर लग रहा है। मनोवैज्ञानिक टूल-4- 'मैं' वाले वाक्यों का इस्तेमाल अगर यह बात आपको लगातार परेशान कर रही है, तो पार्टनर से इस बारे में बात करना जरूरी है। लेकिन बात करते वक्त आपकी भाषा क्या हो, यह समझना भी महत्वपूर्ण है। आरोप लगाने वाले वाक्य न बोलें। सिर्फ अपनी फीलिंग्स बताएं। जैसेकि- ऐसे न कहें: 'तुम हमेशा अपनी एक्स की बातें करते रहते हो।' ऐसे कहें: 'जब पुराने रिश्ते की बातें बार-बार आती हैं, तो मुझे थोड़ी असहजता महसूस होती है। मैं समझती हूं कि यह तुम्हारा अतीत है, लेकिन कभी-कभी मुझे कंपैरिजन का डर लगता है।' जब हम आरोप नहीं लगाते और सिर्फ अपनी भावनाएं शेयर करते हैं तो सामने वाला व्यक्ति डिफेंसिव नहीं होता। वो आपकी भावना को समझने की कोशिश करता है। मनोवैज्ञानिक टूल-5 प्रेजेंट में रहना, जीना, सोचना जब दिमाग बार-बार अतीत में जाने लगे, तो खुद से ये तीन सवाल पूछिएः वह मेरे साथ कैसा व्यवहार करता है? क्या वह मेरे लिए कमिटेड है? क्या मुझे इस रिश्ते में वो सम्मान और प्यार मिलता है, जो मैं चाहती हूं? 'तुम' नहीं 'मैं' :-अपने वाक्य 'तुम' से शुरू न करें। - 'तुम इग्नोर करते हो।' 'तुम मुझे नहीं समझते हो।' अपने वाक्य 'मैं' से शुरू करें। - 'मुझे इग्नोर्ड फील होता है।' -'मैं चाहती हूं कि तुम मुझे समझो।' बात के बीच में टोकें नहीं। बीच में टोकना पार्टनर की बात पूरी होने दें। अंतिम बात-हर इंसान अपने अनुभवों का जोड़ होता है।आपके पार्टनर का अतीत भी उसकी कहानी का हिस्सा है। महत्वपूर्ण यह नहीं कि आपसे पहले वह किसके साथ था। महत्वपूर्ण यह है कि आज वह किसके साथ रहना चुन रहा है। रिश्ते तब मजबूत होते हैं, जब हम अतीत से लड़ने की बजाय वर्तमान में भरोसा करना सीखते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।